सुविचार

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।

कालीदास

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 3 | अंक 78 | जबलपुर, रविवार 15 मार्च 2026 | पृष्ठ 8 | मूल्य, 01 रुपये | RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

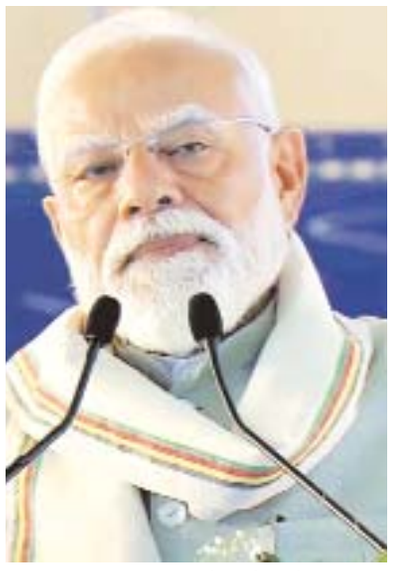

हारों का शतक लगाएगी कांग्रेस

पीएम मोदी का आसाम से बड़ा हमला, कहा- देश दे रहा सजा

असम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश उन्हें उनके अतीत के कार्यों का दंड दे रहा है और वे लगातार हार का शतक लगाने की ओर अग्रसर हैं तथा देश के विरुद्ध आक्रामक रुख अपना रहे हैं। शिलांग-सिलचर कॉरिडोर के भूमि पूजन के बाद सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपने कांग्रेस को असम से सत्ता से बेदखल कर दिया। आज देश का हर राज्य कांग्रेस को सबक सिखा रहा है। कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। निकट भविष्य में कांग्रेस लगातार हार का शतक लगाने की ओर अग्रसर है। हार की हताशा से प्रेरित होकर कांग्रेस ने स्वयं देश के विरुद्ध आक्रामक रुख अपना लिया है।

पिछले महीने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों द्वारा किए गए कमीज रहित विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एआई शिखर सम्मेलन को बदनाम करने के प्रयास में कांग्रेस ने एक विचित्र विरोध प्रदर्शन किया - सार्वजनिक रूप से अपने कपड़े फाड़ दिए। ऐसा लगता है कि अब कांग्रेस के पास हताशा में अपने कपड़े फाड़ने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि पूरे देश ने इस विरोध प्रदर्शन की निंदा की।प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के मौजूदा राजनीतिक माहौल की तुलना पिछली सरकार के कार्यकाल से करते हुए कांग्रेस पर असम के युवाओं को हिंसा और आतंकवाद के दुष्चक्र में फंसाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने असम को 'बांटो और राज करो' की नीति की प्रयोगशाला बना दिया था। आज असम के युवाओं के सामने अवसरों का खुला आसमान है। स्वतंत्रता के बाद दशकों तक पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को देश की मुख्यधारा से दूर रखा गया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पूर्वोत्तर को उसके हाल पर छोड़ दिया था। जब देश को आजादी मिली, तो कांग्रेस ने सीमा निर्धारण इस तरह से होने दिया कि बराक घाटी का समुद्र से महत्वपूर्ण संपर्क पूरी तरह से टूट गया। बराक घाटी, जो कभी एक प्रमुख व्यापार मार्ग और औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रसिद्ध थी, अपनी मूल शक्ति से वंचित हो गई। आजादी के बाद भी, दशकों तक कांग्रेस सरकारें सत्ता में रहीं; फिर भी, बराक घाटी के विकास को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

शिलांग-सिलचर कॉरिडोर के शिलान्यास समारोह की लागत 24,000 करोड़ रुपये बताई गई, इस पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि अगर कांग्रेस से पूछा जाए तो वे इसे लिख भी नहीं पाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं से ही पूछ लीजिए। उन्हें कलम और कागज दीजिए और 24,000 करोड़ रुपये लिखने को कहिए, वे लिख भी नहीं पाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि असम में भाजपा के नेतृत्व वाली दोहरी इंजन सरकार बराक घाटी को व्यापार और वाणिज्य के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित और पुनर्स्थापित करने के लिए काम कर रही है।

परमाणु हथियार का ख्वाब छोड़ दे ईरान

होर्मुज में जहाज रोके, तो सब तहस-नहस कर देंगे: ट्रंप

नई दिल्ली। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के आवागमन में बाधा डालता है, तो अमरीका अपना निर्णय बदल सकता है। ट्रंप ने कहा कि ईरान किसी भी ऐसे लक्ष्य की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, जिसे अमरीका निशाना बनाना चाहे और यह भी कहा कि ईरान को कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर बमबारी का दावा करने के बाद यह द्वीप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बन गया है। श्री ट्रंप ने ईरान की सेना से हथियार डालने और अपने देश का जो कुछ बचा है, उसे बचाने की चेतावनी भी दी है। फारस की खाड़ी के उत्तरी भाग में ईरान के दक्षिणी तट के पास बुशेहर के निकट स्थित खार्ग द्वीप ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र के रूप में अत्यंत रणनीतिक महत्व रखता है। इसे देश की आर्थिक तथा सैन्य शक्ति का अहम आधार माना जाता है।

कच्चे तेल के निर्यात का द्वार

ऊर्जा विशेषज्ञों के अनुसार यह द्वीप वैश्विक बाजारों में ईरान के कच्चे तेल के निर्यात का मुख्य द्वार है। विभिन्न तटीय और समुद्री तेल क्षेत्रों से पाइपलाइनों के माध्यम से कच्चा तेल यहां स्थित भंडारण टर्मिनलों तक लाया जाता है और वहां से बड़े तेल टैंकरों के जरिए निर्यात किया जाता है। यहां अबूज?, फरोजान और दुरूद जैसे प्रमुख समुद्री तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल की आपूर्ति होती है। द्वीप की गहरे पानी की सुविधाएं बड़े तेल टैंकरों को संभालने में सक्षम हैं, जिसके कारण यह ईरान के तट पर उन कुछ स्थानों में से एक है जहां से बड़े पैमाने पर तेल निर्यात संभव है।

सैन्य दृष्टि से भी महत्वपूर्ण

तेल निर्यात के कारण यह द्वीप सैन्य दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे मिलने वाला राजस्व ईरान की रक्षा व्यवस्था और सुरक्षा संस्थानों के लिए प्रमुख वित्तीय स्रोत माना जाता है। इसी कारण ईरान ने यहां मजबूत सैन्य और सुरक्षा व्यवस्थाएं स्थापित कर रखी हैं। यह द्वीप पहले भी ईरान-इराक युद्ध के दौरान हमलों का निशाना बन चुका है, जब खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा प्रतिष्ठान संघर्ष के दौरान प्रमुख लक्ष्य बन गए थे। श्री ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर कहा कि उनके निर्देश पर अमरीकी केंद्रीय कमान ने खार्ग द्वीप पर स्थित सैन्य लक्ष्यों पर क्षेत्र के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक को अंजाम दिया और वहां के सभी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी बलों ने जानबूझकर द्वीप के तेल बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाया।

LPG संकट का अंत ! सबको मिलेगी गैस, मोदी सरकार के प्रयासों से जल्द राहत मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण भारत में रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। कई राज्यों से सिलेंडर की कमी, काला बाजार और कीमतों में तेजी की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि इस मुश्किल समय में भारत सरकार सक्रिय कूटनीतिक प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण राहत की खबर आई है कि ईरान ने भारत के दो जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। इससे आने वाले दिनों में भारत में रसोई गैस की आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकारी जानकारी के अनुसार भारत के झंडे वाले दो जहाज जो रसोई गैस लेकर आ रहे हैं, उन्हें ईरान के अधिकार क्षेत्र से गुजरने की अनुमति मिल गई है। इनमें से एक जहाज शिवालिक बताया जा रहा है, जो इस समय ओमान की खाड़ी के आसपास है और इसके 21 मार्च तक अपने गंतव्य तक पहुंचने की संभावना है। यह खबर ऐसे समय आई है जब देश में गैस की कमी को लेकर चिंता बढ़ती जा रही थी।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया है कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में इस समय भारत के झंडे वाले चौबीस जहाज काम कर रहे हैं, जिन पर 668 भारतीय नाविक मौजूद हैं। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में तीन जहाजों पर 76 भारतीय नाविक मौजूद हैं। मंत्रालय ने कहा कि जहाजरानी महानिदेशालय लगातार जहाज मालिकों, एजेंसियों और विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर नजर रख रहा है। दूसरी ओर देश के कई हिस्सों में रसोई गैस की कमी का असर रोजमर्रा के जीवन पर दिखने लगा है।

अडाणी पावर प्लांट में आगजनी, गाड़ियों में तोड़फोड़

सिंगरौली में लेबर की मौत पर भड़के, दूर से ही धुएं का गुबार दिखा, काम छोड़ लौटे कई मजदूर

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के माडा थाना क्षेत्र के बधौरा स्थित अडाणी पावर प्लांट में शनिवार सुबह मजदूर की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी। सामने आए वीडियो में दूर से काले धुएं का बड़ा गुबार नजर आ रहा है। प्लांट के अंदर एक साइट के नीचे भी आग लगी हुई है। हालात को काबू में करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, प्लांट में काम करने वाले मजदूर लल्लन सिंह की शुक्रवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। मृतक मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था और लंबे समय से इसी प्लांट में काम कर रहा था। मजदूर की मौत की खबर फैलते ही साथी मजदूरों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने शव छिपाने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि ये अफवाह भी फैली कि मजदूर लल्लन की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हुई है। कंपनी प्रबंधन और जिला प्रशासन का दावा है कि मजदूर की मौत देर रात हार्ट अटैक से हुई। कंपनी के अंदर स्थिति तनावपूर्ण है। मजदूरों ने एक दर्जन से अधिक गाड़ियों को क्षतिग्रस्त किया और पलट दिया। पुलिस चौकी प्रभारी की गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर पलटा दी।

प्रशासन बोला- मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी : पावर प्लांट के अंदर मजदूर की निष्पक्ष जांच और साथी मजदूर की मौत का कारण स्पष्ट करने की मांग कर रहे थे। इस पर प्रशासन ने उन्हें भरोसा दिया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच होगी। कोई दोषी पाया जाएगा उसपर कार्रवाई की जाएगी। अगर प्रबंधन की तरफ से कोई लापरवाही हुई है तो उसकी भी जांच होगी

डूरंड रेखा पर जंग जैसे हालात! अफगानिस्तान-पाकिस्तान में भीषण गोलीबारी, तनाव चरम पर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसकी सेनाओं ने विवादित डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की है। सीमा पार हवाई हमलों और तोपखाने की गोलीबारी के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। एक बयान में, अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कुनार और नंगरहार प्रांतों को कवर करने वाले पूर्वी क्षेत्र में अभियान चलाया, जिसे उसने पाकिस्तान के सैन्य शासन की कार्रवाई बताया। इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन द्वारा किए गए अपराधों के जवाब में, अफगान रक्षा बलों ने कुनार और नंगरहार प्रांतों के पूर्वी क्षेत्र में डूरंड रेखा के पास अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान... 14 सैनिक शहीद हो गए और 11 अन्य घायल हो गए। एक बख्तरबंद टैंक और एक इंटरनेशनल वाहन भी पूरी तरह से नष्ट हो गए और सेवा से बाहर हो गए। अपने 'दमन अस्वीकार करो' अभियान के तहत, अफगान सेना ने इससे पहले पाकिस्तान के रणनीतिक सैन्य केंद्र पर हवाई हमला किया था। इस्लामिक अमीरात के बयान में कहा गया कि चल रहे 'दमन अस्वीकार करो' जवाबी कार्रवाई के क्रम में, आज शाम लगभग 5:00 बजे, अफगान वायु सेना ने फैजाबाद, इस्लामाबाद में पाकिस्तानी सेना के रणनीतिक केंद्र 'हमजा' पर हवाई हमला किया।

पीएम मोदी कोलकाता रैली से पहले मचा बवाल

बीजेपी-टीएमसी कार्यकताओं के बीच जमकर पत्थरबाजी

नई दिल्ली। शनिवार को मध्य कोलकाता के गिरीश पार्क के पास टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। यह पार्क ब्रिगेड परेड ग्राउंड से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन में बाद में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। भाजपा समर्थकों ने आरोप लगाया कि जब वे प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लगाते हुए रैली स्थल की ओर जा रहे थे, तो अचानक कुछ इलाकों से उन पर पत्थर फेंके गए। एक भाजपा कार्यकर्ता ने एक बंगाली समाचार चैनल को बताया कि बिना किसी उकसावे के हम पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने हमें गालियां भी दीं। हालांकि, स्थानीय टीएमसी कार्यकताओं ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने ही पहले गाली-गलौज की और उन पर पत्थर फेंकना शुरू किया। पश्चिम बंगाल के मंत्री शशि पांजा ने कहा कि मुझ पर ईंट से हमला किया गया। भाजपा कोई गुंडा नहीं है; वह हत्यारा है। शशि पांजा ने कहा कि 50 से अधिक टीएमसी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। मुझ पर एक बड़ा पत्थर फेंका गया, जिसके कारण मुझे अंदर धकेल दिया गया। भाजपा के लोग गुंडे हैं। ये लोग हत्यारे हैं।

बेगूसराय में सीएम नीतीश की सुरक्षा में चूक:हेलीपैड में घुसा बैल

पुलिस वालों को दौड़ाया; बचने के लिए फायर ब्रिगेड पर चढ़े

बेगूसराय। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा बेगूसराय पहुंची। सभा को संबोधित कर करते हुए उट ने कहा, 'हम लोगों की सरकार आपके लिए लगातार काम कर रही है। केंद्र भी लगातार मदद कर रही है। 2005 में ठऊअ की सरकार बनी तब से राज्य में कानून का राज है। हमारी सरकार आने से पहले पुरानी वाली सरकार ने बुरा हाल कर रखा था। शाम में लोग घर से निकलने से डरते थे। पहले शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट थी। हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। उन लोगों को काम रद्दी था।' सीएम के संबोधन के दौरान कुछ महिलाएं उठकर जाने लगीं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यअरे कहां भाग रहे हो हम बंद कर दें। कोई पीछे से भाग रहा है कोई आगे से भाग रहा है। बैठिए अभी। हाथ उठाकर बताइए हम बोलें या नहीं। अब तो सब कुछ कर ही रहे हैं फिर क्यों भाग रही हो। बैठिए और चुपचाप सुनिए।

हेलीपैड पर उट की सुरक्षा में बड़ी चूक : सीएम के पहुंचने से पहले उनकी सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली। समृद्धि यात्रा के तहत सीएम जिस हेलीपैड पर उतरने वाले थे वहां एक बैल घुस गया। बैल ने वहां मौजूद पुलिस वालों को दौड़ा दिया। बचने के लिए एक पुलिसकर्मी फायर ब्रिगेड की गाड़ी के ऊपर चढ़ गया।

पहले द. कोरिया-अमरीका को धमकी, फिर किम जोंग उन ने दाग दी 10 बैलिस्टिक मिसाइल

सोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर (जापान सागर) की दिशा में लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की संयुक्त सेना प्रमुख समिति ने यह जानकारी दी। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, समिति ने बताया कि मिसाइलों का प्रक्षेपण उत्तर कोरिया के सुनान क्षेत्र से किया गया। यह इस वर्ष उत्तर कोरिया द्वारा किया गया तीसरा बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण है। दक्षिण कोरिया और जापान ने इस परीक्षण की पुष्टि की है, जो क्षेत्र में सैन्य तनाव को बढ़ाता है। यह मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरी। जापान और दक्षिण कोरिया ने इस हरकत को भड़काऊ बताया और इसकी कड़ी निंदा की। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि अतिरिक्त प्रक्षेपण की आशंका को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है

और मिसाइल संबंधी सूचनाएं अमरीका तथा जापान के साथ साझा की जा रही हैं। यह प्रक्षेपण ऐसे समय हुआ है जब दक्षिण कोरिया और अमरीका ने सोमवार से अपने वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास की शुरूआत की है, जो 11 दिनों तक चलेगा। उत्तर कोरिया लंबे समय से इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों की आलोचना करते हुए उन्हें आक्रमण की तैयारी बताता रहा है, जबकि दक्षिण कोरिया और अमरीका का कहना है कि यह अभ्यास पूरी तरह रक्षात्मक प्रकृति के हैं। इस सप्ताह की शुरूआत में उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने इन सैन्य अभ्यासों की निंदा करते हुए अकल्पनीय गंभीर परिणामोंह्व की चेतावनी दी थी।

हाल ही में उत्तर कोरिया ने अपने युद्धपोत चोए ह्योन से रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का भी परीक्षण किया था। सरकारी मीडिया के अनुसार किम जोंग उन ने उस समय मजबूत और विश्वसनीय परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने और उसका विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे बड़े सवाल, मातहत अधिकारियों की संलिप्तता भी हो रही उजागर

मुर्दों की अंतिम यात्रा के रास्ते में भी भ्रष्टाचार! भपसा पंचायत में 7 लाख की पुलिया अधूरी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत भपसा में विकास कार्यों के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार के आरोप सामने आ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यहां श्मशान घाट तक जाने वाले रास्ते में बनने वाली पुलिया कम स्टाफडेम के निर्माण में भी अनियमितताओं की चर्चा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन रास्तों से गांव के लोगों की अंतिम यात्रा गुजरती है, वहां भी भ्रष्टाचार की परतें बिछा दी गई हैं। सवाल यह है कि क्या अब मुर्दों की राह भी भ्रष्टाचार से अछूती नहीं रही? ग्रामीणों के अनुसार श्मशान मार्ग पर करीब 7 लाख रुपये की लागत से पुलिया कम स्टाफडेम का निर्माण स्वीकृत हुआ था। आरोप है कि राशि निकाल ली गई, लेकिन लगभग एक साल बाद भी निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है।

नतीजा यह है कि गांव में जब किसी की अंतिम यात्रा निकलती है तो लोगों को सीधा रास्ता न मिलने के कारण घुमावदार और असुविधाजनक मार्ग से शव लेकर श्मशान तक जाना पड़ता है। ग्राम पंचायत के पंच अंकित कछवाहा, श्याम सिंगौर सहित कई ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत में सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और उपयंत्री की मिलीभगत से विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन की खुली लूट मची हुई है। उनका कहना है कि पंचायत में नालियों सहित कई निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन तरीके से कराए जा रहे हैं, जबकि कागजों में सब कुछ पूर्ण दिखाकर भुगतान निकाल लिया जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि फर्जी बिल और कागजी प्रक्रियाओं के जरिए लाखों रुपये की राशि निकालकर बंदरबांट किया जा रहा है। यहां तक कि पंचायत की राशि सरपंच और उपसरपंच पतियों के खातों तक पहुंचने की चचाएं भी गांव में खुलेआम हो रही हैं। सवाल यह है कि यदि यह सब सच है तो सचिव, रोजगार सहायक और उपयंत्री की निगरानी व्यवस्था आखिर किस काम की है? सबसे बड़ा सवाल जनपद पंचायत के सीईओ, जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर भी खड़ा हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे मामले की शिकायत कई बार की जा चुकी है, लेकिन ना जांच हुई और ना ही कोई ठोस कार्रवाई। इससे साफ संकेत मिलता है कि या तो शिकायतों को दबाया जा रहा है या फिर जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। गांव के लोगों का यह भी कहना है कि पंचायत में पारदर्शिता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। हालत यह है कि पंचायत के निर्वाचित पंचों को भी विकास कार्यों और खर्च की जानकारी नहीं दी जाती, जबकि कागजों में सब कुछ ठीक दिखाकर सरकारी धन निकाल लिया जाता है। नाराज ग्रामीण अब इस पूरे मामले को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री और जिला प्रशासन से सीधी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार पास के ग्राम हिरदेनगर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री के आगमन की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने उनसे आग्रह किया है कि वे कुछ समय निकालकर भपसा पंचायत के निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति भी देखें। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जिला प्रशासन और जनपद के जिम्मेदार अधिकारी इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएंगे? या फिर श्मशान घाट तक के रास्ते में हुए इस कथित भ्रष्टाचार पर भी पर्दा डाल दिया जाएगा? ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे इस मामले को लेकर उच्च स्तर तक शिकायत और जन आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जनहित के कार्यों में इस तरह की लूट पर अब गांव के लोग जवाब और कार्रवाई दोनों चाहते हैं।

भुआबिछिया में नेशनल लोक अदालत आयोजित कई वर्षों पुराने विवादों का हुआ समाधान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला/बिछिया। राष्ट्रीय स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित निराकरण और आपसी समझौते को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को भुआबिछिया में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला कमल जोशी के आदेशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति बिछिया के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायिक मजिस्ट्रेट मीनल गजबीर द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों को रखा गया, जिनका आपसी सहमति से निराकरण कराया गया। लोक अदालत के दौरान 7 सिविल एवं 13 आपराधिक प्रकरणों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिससे 57 पक्षकारों को राहत मिली। इसके अलावा बैंकों और नगर परिषद भुआबिछिया से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरण भी लोक अदालत में रखे गए, जिनका निराकरण करते हुए कुल 9,08,620 रुपये की राशि का अवार्ड पारित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अधिवक्ता संघ विजय चौरसिया, सचिव पीयूष पांडेय, बलराम शर्मा, जेपीएन मिश्रा, थानेश्वर तेकाम, संदीप पटेल, मिलाप धुर्वे, दिलीप कोरवे, विनय यादव, योगेश तेकाम, कमलवती यादव, राजेंद्र बंजारा सहित अन्य अधिवक्तागण, एडीपीओ कामेंद्र सिंह परस्ते, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा न्यायालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। **वर्षों पुराना पड़ोसियों का विवाद भी हुआ समाप्त–** लोक अदालत के दौरान नगर पंचायत भुआबिछिया के वार्ड क्रमांक 14 के दो पड़ोसी अनिल यादव और रोहित यादव के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद भी आपसी समझाइश से समाप्त हो गया। बताया जाता है कि दोनों के बीच 2 मई 2024 को विवाद हुआ था, जिसके बाद न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 207/24 विचाराधीन था। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट मीनल गजबीर, एडीपीओ कामेंद्र परस्ते तथा अभियुक्त पक्ष के अधिवक्ता विजय चौरसिया द्वारा दोनों पक्षों को समझाइश दी गई। इसके बाद दोनों पक्षकारों ने आपसी सहमति से राजीनामा कर लिया और भविष्य में सौहार्दपूर्ण ढंग से रहने का संकल्प लिया। लोक अदालत के माध्यम से वर्षों पुराने विवादों का शांतिपूर्ण समाधान होने से न्यायालय का समय बचा, साथ ही पक्षकारों को त्वरित न्याय भी प्राप्त हुआ।

सीईओ जिला पंचायत ने बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन केन्द्र का किया निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला क्रमांक 2 में हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने केन्द्र में मूल्यांकन कार्य करने वाले शिक्षकों की ड्यूटी, बैठक व्यवस्था, माडल आन्सरशीट, मूल्यांकन कक्षाओं के जलपान, स्ट्रांगरूम और सुरक्षा व्यवस्था आदि की जानकारी ली।

इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने सीईओ को बताया कि इस मूल्यांकन केन्द्र में दसवीं तथा बारहवीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 9 कक्षों में किया जा रहा है। जिले के विद्यालयों से 232 शिक्षक इस कार्य में लगे हुए हैं। अभी तक बारहवीं की 46564 और दसवीं की 55065 उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा यहाँ भेजी गई हैं,अभी और कॉपियां आनी शेष हैं।

ढाबों-होटलों पर संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई

घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर प्रशासन सख्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नगर क्षेत्र में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के अवैध व्यावसायिक उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। खाद्य, राजस्व और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के कई होटलों और ढाबों पर औचक छापेमारी की, जिसमें नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 8 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

प्रशासन को लगातार सूचना मिल रही थी कि कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में नियमों के विपरीत 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग कर खाना बनाया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने मंडला नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। टीम के पहुंचते ही कई होटल और ढाबा संचालकों में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान एनएच-30 पर संचालित एक रेस्टोरेंट से सबसे अधिक 3 घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए। इसके अलावा राजस्थानी ढाबा से भी 3 सिलेंडर, विशाल भोजनालय से 1 सिलेंडर तथा विशाल ढाबा से 1 सिलेंडर जब्त किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि व्यावसायिक कार्यों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत गंभीर अपराध है। जब्त किए गए सभी 8 सिलेंडरों के संबंध में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और संबंधित संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वही इस संयुक्त कार्रवाई में प्रभारी तहसीलदार हिमांशु भलावी, जिला आपूर्ति अधिकारी संत कुमार भलावी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि यह अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई नहीं है। आने वाले दिनों में भी इस तरह की संयुक्त जांच लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों ने होटल और ढाबा संचालकों को चेतावनी दी है कि वे केवल नीले रंग के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों का ही उपयोग करें, अन्यथा उनके लाइसेंस निरस्त करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

थाना प्रभारी मोहगांव के संरक्षण में फलफूल रहा सट्टा कारोबार, क्या पुलिस कप्तान की सख्ती सिर्फ कागजों तक?

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले में पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के लगातार दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। मोहगांव थाना क्षेत्र में खुलेआम सट्टा कारोबार फल-फूल रहा है और आरोप सीधे तौर पर थाना प्रभारी की कार्यशैली और कथित संरक्षण पर लग रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर पुलिस कप्तान के सख्त निदेर्शों के बावजूद मोहगांव में सट्टा माफिया इतने बेखौफ कैसे हैं?

सूत्रों की मानें तो मोहगांव में बैठे खाईबाज खुलेआम सट्टा पट्टी ले रहे हैं। इतना ही नहीं, गांव-गांव और कस्बों में अपने प्रतिनिधि नियुक्त कर दिए गए हैं जो मोबाइल के माध्यम से सट्टा पट्टी इकट्ठा कर मुख्य खाईबाज तक पहुंचाते हैं और बदले में मोटा कमीशन लेते हैं। मोहगांव, मुगवानी, मनु, चाबी, रेगांव, सिंगापुर सहित आसपास के कई गांवों में सुबह से रात तक सट्टे के अंकों की चर्चा आम हो चुकी है। चौक-चौराहों और दुकानों पर लोग खुलेआम पूछते सुने जा सकते हैं– ह्लआज क्या बनाङ्घ कौन सा नंबर आया? स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब पुलिस की जानकारी के बिना संभव ही नहीं है। नाम न छापने की शर्त पर कई ग्रामीणों ने बताया कि थाना स्तर पर बैठे जिम्मेदार अधिकारियों को पूरे नेटवर्क की जानकारी है, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होती। उल्टा यह चर्चा है कि सट्टा संचालकों को अप्रत्यक्ष संरक्षण प्राप्त है। सबसे गंभीर आरोप यह भी सामने आ रहे हैं कि जैसे ही मंडला से कार्रवाई के आदेश आते हैं, उसकी भनक पहले ही मोहगांव में बैठे सट्टा संचालकों तक पहुंच जाती है। ऐसे में वे कुछ समय के लिए अपना काम बंद कर देते हैं और मामला ठंडा पड़ते ही फिर से वही धंधा शुरू हो जाता है। जब शिकायतें ज्यादा बढ़ती हैं तो पुलिस छोटी-मोटी कार्रवाई कर कागजी खानापूर्ति करती है और प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह बताया जाता है कि सटोरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। लेकिन हकीकत यह है कि छोटे लोगों को पकड़कर वाहवाही लूट ली जाती है और बड़े सट्टा संचालक पुलिस की पकड़ से हमेशा बाहर रहते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मोहगांव थाना क्षेत्र में कानून का राज है या सट्टा माफिया का? क्या पुलिस कप्तान को इस पूरे खेल की जानकारी नहीं है, या फिर कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित है? ग्रामीणों का कहना है कि सट्टे के इस खुले खेल ने गरीब और मजदूर वर्ग को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। कई परिवारों की मेहनत की कमाई सट्टे की लत में बर्बाद हो रही है, युवा पीढ़ी गलत रास्ते की ओर धकेली जा रही है और गांवों का सामाजिक माहौल बिगड़ रहा है। अब सवाल यह है कि क्या जिले के पुलिस कप्तान मोहगांव में चल रहे इस सट्टा नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कराएंगे? **क्या थाना प्रभारी की भूमिका की भी जांच होगी?** या फिर गरीबों की मेहनत की कमाई लूटने वाला यह खेल यूं ही चलता रहेगा और जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे रहेंगे? जनता अब जवाब चाहती है – कार्रवाई होगी या सिर्फ दावे और प्रेस नोट ही जारी होते रहेंगे?

पीएम श्री विद्यालय सिंगारपुर में किया गया अंतरशालेय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के आदेशानुसार पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगारपुर में प्रभारी प्राचार्य जय कुमार बैरागी के मार्गदर्शन में तथा पीटीआई अशोक वरकड़े के नेतृत्व में संकुल स्तरीय अंतर शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जय कुमार बैरागी, जब्बार खान प्रधान पाठक माध्यमिक शाला उमरिया, महेश प्रसाद सरोते, आसिफ खान एवं एसएमडीसी के समस्त सदस्यगणों तथा उपस्थित सभी शिक्षकों के द्वारा सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी, मां सरस्वती जी की चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। सभी अतिथियों का पीएम श्री विद्यालय परिवार द्वारा पुष्प गुच्छ से स्वागत वंदन किया गया । स्वागत पश्चात प्रतियोगिता का शुभारंभ सीनियर बालक वर्ग में शिवाजी और महाराणा दल के कब्बड़ी के खिलाड़ियों और संकुल अंतर्गत विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं के द्वारा और समस्त शिक्षक स्टॉफ के द्वारा एक साथ राष्टगान झ जन गण मन अधिनायक जय है का सामूहिक राष्ट्रगान किया गया । प्रतियोगिता कार्यक्रम के अध्यक्ष और विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री जय कुमार बैरागी ने संकुल अंतर्गत विद्यालयों के सभी खिलाड़ी छात्र छात्राओं को खेल को खेल भावना और खिलाड़ी भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया । माध्यमिक स्तर कब्बड़ी बालक वर्ग में फाइनल मैच सिंगारपुर और उमरिया के मध्य खेला गया जिसमें सिंगारपुर विजेता और उमरिया उपविजेता रहा । खो खो बालक वर्ग में उमरिया और सिंगारपुर के मध्य खेला गया जिसमें सिंगारपुर विजेता और उमरिया उपविजेता रहा । बालिका कब्बड़ी में खमहरिया सिंगारपुर के मध्य खेला जिसमे विजेता रहा है । खो खो बालिका वर्ग में सिंगारपुर खमहरिया के मध्य खेल गया, जिसमे सिंगारपुर विजेता रहा । साथ ही हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्तर बालक कब्बडी फाइनल मैच शिवाजी और आजाद दल के मध्य खेला गया, जिसमे शिवाजी दल ने आजाद दल को 7 अंकों से पराजित किया है । बालिका वर्ग में सुभाष और महाराणा दल के मध्य खेला गया जिसमें सुभाष दल ने महाराणा दल को 5 अंको से परास्त कर ट्राफी अपने नाम किया । खो खो बालक वर्ग में सुभाष और आजाद के मध्य रोमांचक मैच खेला गया जिसमें सुभाष दल ने 1 अंक की बढ़त से विजय प्राप्त किया । वहीं बालिका वर्ग में महाराणा और आजाद के मध्य खेला गया जिसमें महाराणा दल ने आजाद दल को मात्र 3 अंको से हराकर फाइनल अपने नाम किया है । संकुल स्तरीय अंतर शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले सभी खिलाड़ी प्रतिभागियों को दोपहर में भोजन कराया गया । पीएम श्री विद्यालय सिंगारपुर के प्रभारी प्राचार्य श्री जय कुमार बैरागी एवं अन्य अतिथियों द्वारा विजेता और उपविजेता खिलाड़ी छात्र छात्राओं को ट्रॉफी और मेडल से पुरुस्कृत किया गया । तथा संकुल स्तरीय अंतर शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले सभी खिलाड़ी प्रतिभागियों को मेडल से प्रोत्साहित किया गया । हेमंत वरकड़े और देवेंद मार्को निर्णायक के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन किए । प्रतियोगिता के प्रभारी और मुख्य निर्णायक पीटीआई अशोक वरकड़े रहे । प्रतियोगिता में अभिलेख प्रभारी गणेश परते, नरेश पांड्या एवं अशोक धुर्वे की महत्तवपूर्ण भूमिका रही है । स्कोरर की भूमिका में चंद्र सिंह मसराम, भाग सिंह उर्वे, आनंद यादव व टाइम कीपर सुश्री प्रियंका तेकाम और कंट्रोल रूम प्रभारी मुरली पटेल और भोजन व्यवस्था प्रभारी महेश प्रसाद सरोते की सराहनीय योगदान रहा है । साथ ही प्रतियोगिता को संपन्न कराने में लवकेश कुर्मेश्वर, श्रीमती नीतू श्रीवास प्रहलाद भारतीया, सुश्री पूजा बर्मन श्रीमती सरोज मिश्रा, श्रीमती सुलेखा चक्रवर्ती, श्रीमती वैशाली बोरकर, सुश्री सीता राहंगडाले, सुश्री श्रुति चौबे, नितिन झरिया नरेश नंदा सिमैया तथा कर्मचारियों में विद्या भारतीया, श्रीमती सुमन बैरागी संतोष परते, उमेश चीचाम एवं खिलाड़ी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।

आररकेटीसी कंपनी श्रम कानून की उड़ा रहा है धज्जियां, मजदूरो को कन्टेनर में रखा भेड़ बकरियों की तरह

कंपनी के दलाल राज, राकेश, तिवारी बंधु संभाल रहे हैं मोर्चा, कोल प्रबंधन मौन

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के सोहागपुर कोयलांचल के अमलाई ओसीएम में ओबी हटाने का ठेका प्राप्त कंपनी आरकेटीसी के अधिकारियों एवं उनके पाले हुए तथाकथित पर्सनल सुरक्षा अधिकारियों और मजदूरों के तथाकथित ठेकेदारों की मिली भगत, कंपनी के अधीनस्थ कार्य करने वाले सैकड़ों मजदूरों कर्मचारियों के लिये अत्यंत घातक और जानलेवा साबित हो सकती है। आवासीय सुविधा के नाम पर एक डिब्बे में दर्जनों कर्मियों को भेड-बकरी से भी बदतर हालत में रहने को मजबूर कर तमाम श्रम एवं औद्योगिक कानूनों को पैरों तले रौंदने का किया जा रहा है। कंपनी के काम मे दलाली व लोकल लॉजिनिंग का काम देखने वाले राज, राकेश, तिवारी बंधु का इन सभी कार्यो में कंपनी का भरपूर सहयोग दे रहे हैं। ये सभी लोग कंपनी को यह बताते है कि इस क्षेत्र के कर्ता-धर्ता हमी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरकेटीसी इन्फोटेक नामक ठेका कंपनी ने अमलाई ओसीएम के ओबी हटाने के ठेका स्थल पर काम को अंजाम देने के लिये विधिवत टीम गठित कर सोहागपुर एरिया भेजा और पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मदारी महाप्रबंधक को सौंप दी गई। कंपनी के डायरेक्टरों ने तो जीएम नियुक्त कर अपनी जिम्मेदारी निभा दी लेकिन कंपनी द्वारा बनाए गए जीएम ने कंपनी हित को सर्वोपरि मानने के बजाय स्वहित को प्राथकिता देनी शुरू कर दी और कंपनी प्रबंधन को ऐसे लोगों के हाथ की कठपुतली बना दिया जिनको सिर्फ पैसों से मतलब है।

आरकेटीसी कंपनी द्वारा उड़ीसा, झारखंड आदि राज्यों से मजदूरों को रोजगार देने के नाम पर लाया गया है। इन मजदूरों में अधिकांश भारी वाहन चालक हैं। दिन भर भारी वाहन चालकों को कई-कई घंटे वाहन चलाने के बाद यदि कुछ झांटों की नींद भी न मिल पाए तो वह कितने किद कुशलता पूर्व काम कर पाएंगे और या कितने दिन जीवित रह पाएंगे इन सवालों का जवाब शायद किसी के पास नहीं है। कंपनी के जीएम कहे जाने वाले वेंकटेश्वरा रेड्डी नामक व्यक्ति ने बाहर से लाए गए मजदूरों के रहने के लिये जो व्यवस्था की गई है वह न सिर्फ हास्यास्पद बल्कि शर्मनाक भी मानी जा रही है। पफ पैनल से बनाए गए ट्रेन के डिब्बे जैसे करीब 30 वर्ग मीटर के आवास में मवेशियों की भांति रखा गया है। इस डिब्बे में 40 के लगभग श्रमिकों को रखा गया है, जिससे उन्हें घुट-घुटकर जीना पड़ रहा है।

आरकेटीसी कंपनी के कर्ता-धताओं ने पफ पैनल से बनाए गए संकरे डिब्बे में करीब 40 बेड लगे हुए है जो आपस में बिल्कुल सटे हुए है और बेड के ऊपर बेड लगवा कर उन्हें इस लायक भी नहीं छोड़ा कि वह बेड पर या उसके अगल-बगल कहीं कोई खड़े हो सकें। अभी ठंड का मौसम था तो किसी तरह मजदूरों ने दम साधकर जीवन शैली में गुजारा कर लिया लेकिन अब तो गर्मी भी अपना रौद्र रूप दिखाने को आतुर है। ऐसे हालात में मजदूर कैसे रह पाएंगे और या काम कर पाएंगे इसका जबाब देने वाला कोई नहीं है। सवाल यभी उठता है कि ऐसी व्यवस्था मुहैया कराने वाले आरकेटीसी कंपनी, कोल प्रबंधन व कंपनी के चापलूस दलाल राज, राकेश, तिवारी बंधु कथित नेतागण एक दिन भी गुजार सकते हैं क्या?

औद्योगिक और श्रम से जुड़े कानूनों में काम के घंटों, पारिश्रमिक, बुनियादी सविधाओं, सुरक्षा, एवं स्वास्थ्य के संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किये गए हैं जिनका पालन आरकेटीसी कंपनी के जीएम रेड्डी और उनके मातहतों द्वारा नहीं किया जा रहा है। यदि एक बार श्रम विभाग की टीम आरकेटीसी कंपनी के मजदूरों और उनके हालात का निरीक्षण कर ले तो कानून की धज्जियां किस तरह उड़ाई जाती है इसका पुख्ता प्रमाण मिल जाएगा।

गैस की किल्लत नही, सर्वर हुआ डाउन,

उपभोक्ता हुए बेहाल, गैस कार्यालय में लगी भीड़

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में आई अचानक रुकावट ने क्षेत्रीय होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की चिंता को चरम पर पहुंचा दिया है। कोतमा नगर और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में लगभग 500 से अधिक छोटे-बड़े होटल, ढाबे और चाय-नाश्ते की दुकानें संचालित हैं। इन दुकानदारों का स्पष्ट कहना है कि उनके पास अब केवल कुछ ही दिनों का गैस स्टॉक शेष बचा है, जिससे आगामी दिनों में व्यवसाय पूरी तरह ठप होने का डर सता रहा है। इधर, नगर स्थित मुख्य गैस कार्यालय के बाहर का नजारा भी काफी तनावपूर्ण बना हुआ है, जहाँ सुबह सूरज निकलने से पहले ही उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़नी शुरू हो जाती है। कार्यालय के दरवाजे खुलते ही लंबी-लंबी कतारें लग जाती हैं, जो दिन ढलने तक कम होने का नाम नहीं लेतीं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले लगातार तीन दिनों से मुख्य सर्वर डाउन रहने के कारण गैस की सप्लाई और नई बुकिंग की प्रक्रिया पूरी तरह से प्रभावित हुई है। गैस गोदाम और मुख्य वितरण कार्यालय, दोनों ही महत्वपूर्ण स्थानों पर लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। गैस एजेंसी संचालक अकरम खान ने वर्तमान स्थिति को स्पष्ट करते हुए जनता को आश्वस्त किया है कि क्षेत्र में गैस की कोई वास्तविक किल्लत नहीं है। गोदाम में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और रिफिलिंग वाहन भी नियमित अंतराल पर पहुंच रहे हैं। मुख्य समस्या उच्च स्तर की तकनीकी खामी है; सर्वर डाउन होने से ऑनलाइन डेटा अपडेट और बुकिंग प्रक्रिया बाधित है।

कोयला खदान में मजदूरों का शोषण, करा रहे है 12 घंटे काम, वेतन से हजारों रुपये वसूलने का आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। कोयला क्षेत्र की भूमिगत खदान में काम करने वाले मजदूरों के साथ शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बहेरा बांध भूमिगत खदान में कार्यरत निजी मजदूरों ने ठेकेदार और उसके कर्मचारियों पर मनमानी करने और मजदूरी में कटौती कर शोषण करने का आरोप लगाया है।

मजदूरों का कहना है कि बहेरा बांध खदान में जेएमएस कंपनी के माध्यम से निजी मजदूर कोयला उत्पादन के लिए भेजे जाते हैं। खदान में लगभग 300 मजदूर कार्यरत हैं। मजदूरों के अनुसार नियमानुसार 8 घंटे की ड्यूटी होनी चाहिए, लेकिन ठेकेदार द्वारा उनसे जबरन 12 घंटे तक काम कराया जाता है, जिससे श्रमिकों में भारी नाराजगी और असंतोष व्याप्त है।

मजदूरों ने बताया कि कंपनी की ओर से प्रतिदिन 1150 रुपये मजदूरी उनके बैंक खातों में जमा की जाती है, लेकिन ठेकेदार का मुंशी हर महीने मजदूरों से लगभग 400 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से नकद वसूल लेता है। इस प्रकार पूरे महीने में प्रत्येक मजदूर से हजारों रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। मजदूरों का आरोप है कि यदि कोई मजदूर पैसे वापस देने से मना करता है तो उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कई मामलों में मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की शिकायतें भी सामने आई हैं। श्रमिकों ने बताया कि इस मामले की शिकायत कई बार खदान प्रबंधन से की गई, लेकिन अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस की उपलब्धता के संबंध में बैठक संपन्न, घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता- कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिला पंचायत सभागार में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में गैस एजेंसी संचालकों, होटल संचालकों, रिसोर्ट संचालकों के साथ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस की उपलब्धता के संबंध में बैठक संपन्न हुई ।

कलेक्टर ने गैस संचालकों से कहा कि गोदाम खुलने के समय डोमेस्टिक सिलेंडर एवं कामर्सियल सिलेंडर कि जानकारी तथा बंद के दौरान उपलब्ध सिलेंडरो की जानकारी खाद्य विभाग व्दारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित प्रारूप में प्रतिदिन उपलब्ध कराया जाए। इसी तरह कामर्सियल सिलेंडर कि आपूर्ति अस्पतालों,शैक्षणिक संस्थानों में डिमांड अनुसार की जाए तथा अन्य जगहों से मांग आने पर उसकी सूचना खाद्य विभाग को दी जाए उसके पश्चात ही आगे की कार्यवाही निदेशानुसार की जाए। बैठक में कलेक्टर ने होटल, रिसोर्ट संचालकों को सुझाव दिया कि एलपीजी ईंधन की उपलब्धता की स्थिति सामान्य होने तक वैकल्पिक ईंधन जैस- डीजल भट्टी, इलेक्ट्रिक ओवन, इलेक्ट्रानिक इंडक्शन, तंदूर आदि का प्रयोग कर खाना बनाएं तथा वस्तुस्थिति से आगंतुकों को अवगत कराएं। ग्रामीण क्षेत्र में परंपरागत ईंधन जैसे लकड़ी, कोयला,कण्डे तथा कृषि अपशिष्ट उपयोग करने का प्रचार-प्रसार किया जाए।

जिले के सभी गैस एजेन्सी संचालको को शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश का पालन करने तथा बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को क्रमानुसार गैस सिलेण्डर डिलेवरी करने के निर्देश दिये गये।उन्होंने होटल एवं रिसोर्ट संचालकों को सोलर पैनल का भी उपयोग करने का सुझाव दिया। कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए टीम गठित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।उन्होने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि जिले में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी की उपलब्धता है।

नपा उपाध्यक्ष बिजुरी के स्कोर्पियो ने स्कूटी को मारी जोरदार टक्कर, पति की मौत, पत्नी घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत बटुरा स्थित एनएच-43 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नगर पालिका परिषद बिजुरी के उपाध्यक्ष के स्कॉर्पियो वाहन ने स्कूटी सवार दंपति को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी चला रहे अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। मिली जानकारी के अनुसार हादसा अनूपपुर-शहडोल राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर बटुरा के पास हुआ। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो वाहन अनूपपुर की ओर से शहडोल की तरफ आ रहा था। इसी दौरान सामने से स्कूटी पर सवार होकर आ रहे दंपति को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार अधेड़ सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए और घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। साथ ही पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सुंदरदास महरा (55) के रूप में हुई है। वहीं उनकी पत्नी ऊषा बाई महरा हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने वाहन चालक को पकड़ लिया, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

सुदूर सम्पर्कता परियोजना के स्थान सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता में करें- सीईओ जिला पंचायत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने मनरेगा योजना अंतर्गत एक बगिया मां के नाम के तहत रोपे गए पौधों की गैप फिलिंग के लिए पौधारोपण का कार्य कराए जाने तथा पौधों की जीवंतता के लिए पानी की उपलब्धता हेतु जल कुंड निर्माण प्रावधान अनुसार बनवाने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ जिला पंचायत में ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान तकनीकी अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खेत तालाब निर्माण कार्य की समीक्षा की तथा मनरेगा के वार्षिक लेबर बजट के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अधिक से अधिक श्रमिक नियोजन के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि श्रम नियोजन के लक्ष्य की पूर्ति के साथ ही उपयोगी जल संरचना का निर्माण कार्य किया जाए। सुदूर सम्पर्कता परियोजना हेतु मार्ग निर्माण हेतु स्थान का सर्वेक्षण कार्य सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से करने के निर्देश देते हुए जिला पंचायत सीईओ ने सांदीपनि विद्यालयों के पहुंच मार्ग व शासन के निदेशानुसार मार्गो का चिन्हांकन प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सिपरी पोर्टल पर रिम्स मार्किंग कंप्लीट कराए जाने के निर्देश दिए।

बिना अनुमति एनओसी के मोबाइल टॉवर का हो रहा निर्माण, सीईओ से हुई शिकायत, कार्यवाही की मांग

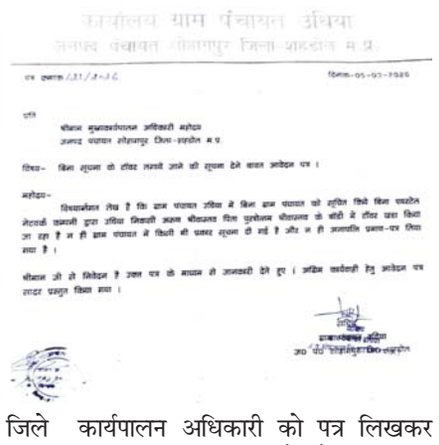

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत उधिया में बिना पंचायत की अनापत्ति प्रमाण पत्र के मोबाइल टॉवर लगाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों के विरोध के बीच अब ग्राम पंचायत सचिव ने भी इस संबंध में जनपद पंचायत सोहागपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी है और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार उधिया गांव में एक निजी कंपनी द्वारा मोबाइल टॉवर का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस स्थान पर टॉवर लगाया जा रहा है, वहां की ग्राम पंचायत से न तो अनुमति ली गई है और न ही ग्राम सभा में इस संबंध में कोई प्रस्ताव पारित किया गया है। बताया जा रहा है कि टॉवर की स्वीकृति किसी अन्य पंचायत के नाम पर ली गई है, जबकि निर्माण कार्य उधिया पंचायत क्षेत्र में कराया जा रहा है। मामले को लेकर ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि बिना पंचायत की अनुमति और ग्राम सभा की जानकारी के इस तरह का निर्माण नियमों के विरुद्ध है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इधर ग्राम पंचायत उधिया के सचिव द्वारा भी इस संबंध में 5 मार्च को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहागपुर को पत्र भेजा गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि एयरटेल नेटवर्क कंपनी द्वारा उधिया निवासी अरुण श्रीवास्तव पिता पुरुषोत्तम श्रीवास्तव के बाड़ी में मोबाइल टॉवर खड़ा किया जा रहा है, जबकि इस संबंध में ग्राम पंचायत को किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई है और न ही पंचायत से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लिया गया है।

संपादकीय

बयान और हकीकत के बीच

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने लोकसभा में वक्तव्य देकर देश को आश्वस्त करने की कोशिश की कि कच्चा तेल, पेट्रोल-डीजल, गैस, मिट्टी का तेल और विमानन टरबाइन ईंधन की कोई कमी नहीं है। तेल के पर्याप्त भंडार हैं। हम 40 देशों से कच्चा तेल मंगवा रहे हैं। घरेलू गैस एलपीजी पर दहशत और घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि गैस सिलेंडर की आपूर्ति औसतन अढाई दिन में सुनिश्चित करने के आदेश हैं। सीएनजी की सप्लाई 100 फीसदी है और एलएनजी कार्गो हररोज आ रहे हैं। एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा दिया गया है। मंत्री ने जमाखोरी, कालाबाजारी का भी जिक्र किया। इससे कौन निपटेगा? गैस एजेंसियों के कर्मचारी ही सरेआम घरेलू गैस का सिलेंडर 2500-3000 रुपए में बेच रहे हैं। क्या उन पर अंकुश लगाया जा सकता है? मंत्री ने यह भी कहा कि यह फेक नेरेटिव फैलाने का समय नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लगभग यही बात कही है, लेकिन वह चुनावी सभाओं में बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री या तो देश को संबोधित करें अथवा संसद में आकर बोलें, चुनावी रैलियों की बात पर जनता भरोसा नहीं करती। चूंकि मंत्री ने संसद में बयान दिया है, लिहाजा देश को विश्वास करना चाहिए, लेकिन आंखें जो यथार्थ देख रही हैं, वह क्या है? सडकों पर लोग बिछने लगे हैं। पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ी है और गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। रसोई गैस गायब है और अनिश्चित है कि सिलेंडर कब मिलेगा? घर की रसोई में खाना बनेगा अथवा नहीं! तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर को 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर को 114.5 रुपए महंगा क्यों किया? युद्धकाल में ही महंगा क्यों किया गया? इससे भी संवेदनशील सच यह है कि अयोध्या में राम रसोई को बंद करना पड़ा है, जहां औसतन 20,000 से 30,000 लोग रोजाना मुफ्त खाना खाते थे। हालांकि विकल्प तलाशे जा रहे हैं। मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में इंडक्शन चूल्हे पर प्रसाद आदि बनाया जा रहा है। बेंगलुरु के बनशंकरी मंदिर में प्रसाद बंद करना पड़ा है। दिल्ली उच्च न्यायालय की रसोई बंद कर दी गई है। कुछ पैकबंद और फ्रूट चाट आदि परोसे जा रहे हैं। शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन के कुछ रूट पर गरम, ताजा खाना नहीं मिला, बल्कि पैकबंद खाना परोसा गया। छोटे ढाबे या तो बंदी के कगार पर हैं अथवा उन्होंने एक-दो भोजन बनाने तक ही सीमित कर लिया है। वे डीजल की भी जला रहे हैं। घोर प्रदूषणङ्क! मुंबई के 50 फीसदी होटल, रेस्तरां भी तालाबंदी की सोच रहे हैं। तमिलनाडु में यह आंकड़ा करीब 10,000 है। अर्थव्यवस्था को झटके लग रहे हैं और रोजगार भी छिन रहा है। इनकी भरपाई कैसे होगी? दरअसल यह भारत का औसतन ऊर्जा-सच है। कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, क्योंकि कमर्शियल गैस भी उपलब्ध नहीं है। भारत 60-66 फीसदी गैस आयात करता है। अब हम 22 लाख टन गैस अमरीका से आयात करेंगे, लेकिन वह गैस 45 दिन के बाद भारत पहुंचेगी। खाड़ी देशों ने युद्ध के कारण आपूर्ति रोक दी है, उत्पादन भी बहुत कम कर दिया है। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बिल्कुल बंद कर दिया है। पानी के नीचे बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। ईरानी सैनिक तेल के जहाजों पर हमले कर उन्हें भस्म कर रहे हैं। दिलचस्प तथ्य सामने आया है कि हम मात्र पौने दो दिन की गैस का ही भंडारण कर सकते हैं। उसके लिए विशाखापट्टनम और मंगलुरु में ही मात्र दो भूमिगत भंडारण की गुफाएं हैं। देश की आबदी 147 करोड़ से अधिक और गैस भंडारण की मात्र दो गुफाएंङ्क! कितने पराश्रित और अधूरे हैं हम! पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी आश्वस्त किया है कि रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, लिहाजा 50 लाख एलपीजी सिलेंडर की रोजाना आपूर्ति की जा रही है। होटल, रेस्तरां वालों को वैकल्पिक ईंधन इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। उससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ेगा और प्रदूषण भी अधिक होगा, भारत उसका क्या जवाब देगा? भारत पेरिस संधि का एक सदस्य है और उसे तय समय-सीमा में उत्सर्जन कम करना है। बहरहाल मंत्री कुछ भी कहें, लेकिन भारत में ऊर्जा-संकट साक्षात दिखाई दे रहा है। जगह-जगह लोग खाली सिलेंडरों के साथ घरों को लौट रहे हैं और गैस एजेंसियों के आगे लोगों की लंबी-लंबी कतारें दिख रही हैं। शहरी क्षेत्रों में समस्याएं ज्यादा आ रही हैं।

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है।

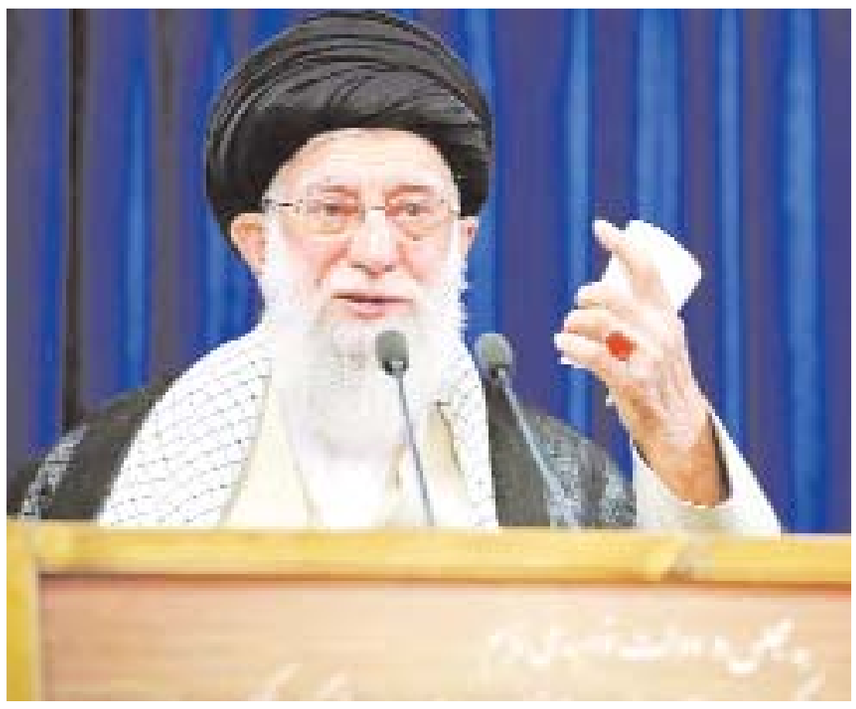

सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने विपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की ह्यचुप्पी' को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है।

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है।

भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है–जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की।

भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है। ऐसा नहीं है कि भारत किसी देश के मामले में ऐसा स्टैंड पहली बार लिया हो, यह रुख पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देखा गया है, जहां भारत ने सीधे बयान देने के बजाय संतुलित कूटनीतिक भाषा का उपयोग किया है।

भारत की अमरीका–ईरान युद्ध पर सतर्क भाषा रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे पूर्व के संकटों से बिल्कुल अलग है, जिनमें भारत ने प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया था। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की फोन कॉल पर यूएई के बयान में कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें संकेत दिया गया था कि प्रधानमंत्री मोदी यूएई द्वारा जवाबी कार्रवाई में उठाए जाने वाले किसी भी कदम का समर्थन करते हैं। बयान में कहा गया था कि भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात द्वारा अपनी संप्रभुता की रक्षा, अपनी सुरक्षा की सुरक्षा और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे सभी उपायों में भारत की एकजुटता व्यक्त की। नेतन्याहू से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने घटनाक्रम पर भारत की चिंताओं को व्यक्त किया और शीघ्र युद्धविराम का आह्वान किया। गौरतलब है कि मोदी के नेतृत्व में भारत-इजराइल संबंधों को काफी मजबूती मिली है और तेल अवीव नई दिल्ली के शीर्ष रक्षा और प्रौद्योगिकी साझेदारों में शुमार है। इजराइल को निर्यात होने वाले हथियारों में भारत की हिस्सेदारी 38% से अधिक है।

हाल के वर्षों में संबंधों में तनाव के बावजूद, ईरान चाबहार बंदरगाह जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाओं और मध्य एशिया तक क्षेत्रीय पहुंच के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर, भारत ने इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। ये दोनों ही वर्तमान संघर्ष में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। ईरान से व्यापारिक रिश्ते होने के बावजूद कई मौकों पर ईरान ने भारत के खिलाफ प्रतिक्रियाएं दी थी। इस दृष्टि ईरान भारत का विश्वसनीय सांझेदार कभी नहीं रहा। जबकि अमरीका और इजरायल ने भारत के संवेदनीशल मुद्दों पर कभी ऐसा नहीं किया। इसके विपरीत इजरायल ने हमेशा भारत के रुख का ही समर्थन किया है। साल 2017 से 2024 के बीच अयातुल्ला खामेनेई ने चार बार भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी की थी। 2017 में उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर बयान दिया था। 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद उन्होंने नीति पर सवाल उठाया। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की जिसे भारत ने आपत्तिजनक बताया। ईरान की संसद ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पर भी आलोचना की थी। सितंबर 2024 में खामेनेई ने एक और पोस्ट में भारत का उल्लेख किया, जिसे विदेश मंत्रालय ने भ्रामक बताया। हर बार भारतीय पक्ष ने औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी। भारत का तटस्थ रुख उसे एक मध्य मार्ग पर रखता है–अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करते हुए किसी भी गुट को नाराज करने से बचता है। अमरीका–ईरान युद्ध के आगे बढ़ने के साथ भारत का रुख भी बदलता रहेगा। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि स्थिति किस तरह से सामने आती है–चाहे इससे व्यापक युद्ध छिड़े, राजनयिक वार्ता हो या ईरान में सत्ता परिवर्तन हो।

राशिफल

मेष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष रुप से आय सतर्क रहें, थकान व बेचैनी बढ़ेगी।

वृष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से कार्य में बाधा होगी, शरीरिक कष्ट तथा भय होगा।

मिथुन राशि :- कुटुम्ब से तनाव व क्लेश, अशांति तथा मानसिक विभ्रम अवश्य ही होगा।

कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, मानसिक शुद्धता बनेगी।

सिंह राशि :- स्त्री वर्ग से कष्ट, चिन्ता तथा व्यवसाय नरम होगा, बने कार्य रुकेंगे।

कन्या राशि :- अधिकारियों से तनाव, क्लेशप्रद स्थिति से बचिये, दैनिक कार्यगति मंद अवश्य होगी।

तुला राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्यगति स्थगित रखें, समय को अनुकूल बनायें।

वृश्चिक राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य बाधा होगी, परिश्रम सफल होगा ध्यान दें।

धनु राशि :- व्यवसाय में बेचैनी, तनाव की स्थिति रहेगी, परिश्रम से सफलता मिलेगी।

मकर राशि :- चोटादि की संभावना है, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य हानि होगी।

कुंभ राशि :- स्त्री वर्ग व संतान से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक बेचैनी अवश्य बनेगी।

मीन राशि :- समय ठीक नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य व्यवसाय बनेगा, समय का ध्यान रखें।

बस 8 दिन बजेगी शहनाई, फिर खरमास लगते ही लग जाएगा शादी में ब्रेक

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के आधार पर सही तिथि और अनुकूल ग्रह-नक्षत्रों में संपन्न होने वाले विवाह में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही रिश्ते में भी स्थिरता आती है। शादी के लिए शुभ मुहूर्त चुनने के साथ तिथि, पंचांग, लग्न और नक्षत्र आदि का भी विशेष ध्यान रखा जाता है।

विवाह किसी की भी जिंदगी का सबसे खास, अहम और पवित्र बंधन में से एक होता है। विवाह शुभ दिन और शुभ मुहूर्त पर ही करना महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के आधार पर सही तिथि और अनुकूल ग्रह-नक्षत्रों में संपन्न होने वाले विवाह में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही रिश्ते में भी स्थिरता आती है। शादी के लिए शुभ मुहूर्त चुनने के साथ तिथि, पंचांग, लग्न और नक्षत्र आदि का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। ऐसा इसलिए होता है, जिससे कि वैवाहिक जीवन की शुरूआत मंगलमय हो।

ऐसे में लोग ज्योतिष से परामर्श लेकर सही समय और सही दिन का चुनाव करते हैं। ऐसे में अगर मार्च महीने की बात करें, तो इस महीने में कुल 8 ऐसी तारीखें हैं, जो विवाह के लिए उपयुक्त हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन तारीखों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि खरमास किस दिन से लगेगा।

मार्च में शादी की शुभ तारीखें

हिंदू धर्म में सही मुहूर्त और तारीख पर किया गया विवाह खुशहाल वैवाहिक जीवन की अच्छी शुरूआत माना जाता है। माना जाता है कि ऐसे विवाह सात जन्मों के वादे से शुरू होती हैं। इस साल भी शादी के लिए कई शुभ मुहूर्त हैं। इस साल 8 महीनों में शादी के मुहूर्त हैं। जनवरी के महीने में शादियां नहीं हुई हैं। वहीं अगस्त, सितंबर और अक्तूबर के महीने भी कोई शादी की मुहूर्त नहीं है। वहीं शादी के लिए अन्य महीनों में शुभ मुहूर्त देखा जा सकता है। वहीं मार्च महीने में कुल 8 तारीखें शादी के लिए शुभ हैं।

मार्च के महीने में 2, 3, 4, 7, 8, 9, 11 और 12 तारीफ को शादी के लिए शुभ मुहूर्त हैं। वहीं 15 मार्च 2026 को खरमास लग जाएगा। ऐसे में खरमास लगने पर शादी और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। अप्रैल मिड में खरमास खत्म होगा और इसके बाद शादी के लिए फिर से शुभ मुहूर्त और तारीखें निकलेंगी। वहीं होली के बाद 8 दिन के लिए होलाष्टक लग जाता है। यह होल से पहले आता है। इस दौरान भी किसी तरह का मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है।

पेन किलर का आवेरडोज आपकी किडनी को कर रहा है डैमेज

सिरदर्द हो, पेट दर्द या फिर शरीर में कोई भी समस्या होती है, तो हम सभी तुरंत दर्द निवारक गोलियां खाने लग जाते हैं। बिना डॉक्टर के सलाह से पेन किलर लेना काफी आम हो चुका है। जो लोग वर्किंग हैं, वे लोग दर्द के दौरान बहुत जल्द दर्द निवारक गोलियां खाते हैं। बार-बार पेन किलर खाने से किडनी पर असर पड़ता है। आइए आपको बताते हैं कि दर्द निवारक गोलियां खाने से क्या होता है?

पेन किलर किडनी को कैसे नुकसान पहुंचाते हैं?

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि ज्यादातर दर्द निवारक दवाएं एनएसएआईडी(ठरअक्ळर) नाम की दवाओं की कैटेगरी में आती हैं। यदि इनको अधिक मात्रा में खाया जाए या फिर गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो ये किड़नी के फंक्शन को खराब कर देती है।

कम हो जाता है ब्लड सकुर्लेशन

अगर आप पेन किलर का अधिक सेवन करती हैं, तो यह खून की मात्रा को कम कर देता है। जब किडनी तक ब्लड सकुर्लेशन सही से नहीं हो पाता है तो किडनी को सही तरीके से काम करने में परेशानी होती है।

किडनी के फिल्टर को पहुंचता है नुकसान

अधिक पेन किलर खाने से किडनी के अंदर बहुत छोटे-छोटे

फिल्टर होते हैं, जिन्हें नेफ्रॉन कहा जाता है। ऐसे में अगर आप लंबे समय से पेन किलर ले रही हैं, तो इससे फिल्टर को नुकसान पहुंच सकता है। यह धीरे-धीरे किडनी की क्षमता को कम करता है।

किडनी फेल होने का बढ़ जाता है खतरा

अगर आप हर एक दर्द में पेन किलर लेते हैं, तो आपको इससे किडनी फैल होने का खतरा बढ़ सकता है। इसको एक्यूट किडनी इंजरी कहा जाता है।

किन लोगों के लिए खतरनाक है पेन किलर

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, पेन किलर का असर काफी खतरनाक हो सकता है। जैसे कि बुजुर्गों में, डायबिटीज के मरीज, हाई ब्लड प्रेशर वाले लोग या जो पहले से किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं, इन लोगों को पेन किलर नहीं लेना चाहिए। यह इनके लिए काफी खतरनाक है।

दर्द हो तब क्या करें?

अक्सर लोग हल्के सिरदर्द, पीरियड्स के दर्द या मांसपेशियों में होने वाले दर्द में तुरंत पेन किलर खा लेते हैं। हालांकि हर बार दवा लेने के बजाय यह समझना ज्यादा जरूरी है कि दर्द किस वजह से हो रहा है। यदि दर्द बार-बार हो रहा है या ज्यादा बढ़ जाए, तो खुद दवा लेने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होता है।

किडनी को हेल्दी रखने के लिए क्या करें?

- ध्यान रखें कि बिना डॉक्टर के सलाह के बार-बार पेन किलर न लें।
- अगर दवा लेनी पड़े, तो कभी कभार ही लें।
- दिनभर चार से पांच लीटर पानी जरुर पिएं।
- हेल्दी डाइट लें।

यूरिन की थैली से निकलीं 500 से भी ज्यादा पथरियां, गैलेक्सी हॉस्पिटल में 78 वर्षीय बुजुर्ग का सफल ऑपरेशन

मरीज को यूरिन से ब्लड आने की थी शिकायत, अत्याधुनिक दूरबीन पद्धति से किया गया इलाज

जबलपुर। उखरी चौक स्थित गैलेक्सी मल्टी स्पेशियलिटी में चिकित्सकों ने एक बार फिर जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। जहां अंधमूक बाईपास से आए 78 वर्षीय एक मरीज की यूरिन की थैली की पथरी का सफल इलाज किया गया। अत्याधुनिक दूरबीन प्रक्रिया से यूरिन की थैली से 500 से अधिक छोटे-बड़े पथरी के टुकड़े निकाले गए। अस्पताल के यूरोसर्जन डॉ. अवतार पचौरी के नेतृत्व में यह ऑपरेशन किया गया। डॉ. पचौरी ने बताया कि मरीज को लंबे समय से यूरिन में जलन की शिकायत थी। हाल ही में उन्हें यूरिन बार-बार रुक-रुककर आने की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा यूरिन में छोटे-छोटे कंकड़ भी आने लगे, यूरिन से खून भी आ रहा था। पूर्ण जांच के बाद चिकित्सकों ने निदान किया कि यूरिन की थैली में पथरी है और इसे निकालना ही एकमात्र उपाय है। मरीज के परिजनों ने अस्पताल और डॉ. पचौरी को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी जटिल सर्जरी से मरीज को पूर्ण राहत मिली है और वह अब स्वस्थ हैं।

यूरिन की थैली में पथरी कैसे होती है?

यूरिन में मौजूद खनिज पदार्थ (जैसे कैल्शियम, यूरिक एसिड) अधिक मात्रा में जमा होकर क्रिस्टल बनाते हैं, जो धीरे-धीरे पथरी का रूप ले लेते हैं। मुख्य कारण: कम पानी पीना, अधिक नमक-प्रोटीन वाला भोजन, मधुमेह, मोटापा या पारिवारिक इतिहास। रोकथाम के लिए रोज 3-4 लीटर पानी पिएं और संतुलित आहार लें।

कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई, लोगों ने कहा, सतत निगरानी जरूरी, कुछ दिन बाद फिर शुरू हो जाता है खेल

अग्रोहा लॉन व साईं रेसिडेंसी में घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देश पर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी क्रम में शनिवार को राजस्व एवं खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने निरीक्षण कर अग्रोहा लॉन और साईं रेसिडेंसी में कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अग्रोहा लॉन और साईं रेसिडेंसी से एक-एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर लिया। बताया गया है कि इससे पहले भी लॉन संचालकों और केटरर्स की बैठक लेकर उन्हें घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग नहीं करने की समझाइश दी गई थी। इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन सामने आने पर कार्रवाई की गई।

लोगों ने उठाए सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के कई लॉन, बड़े रेस्टोरेंट और केटरिंग व्यवसाय में लंबे समय से घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग किया जाता रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा पहले कभी इस ओर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों का यह भी कहना है कि ऐसी कार्रवाई केवल कुछ दिनों तक ही सीमित रह जाती है। इसके बाद विभाग की निगरानी ढीली पड़ जाती है और फिर से दुकानों, लॉन और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग शुरू हो जाता है। लोगों ने मांग की है कि इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा सतत और नियमित निगरानी की जानी चाहिए। जिला प्रशासन ने रेस्टोरेंट, लॉन संचालकों और केटरर्स सहित सभी व्यवसायिक उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग न करें और इसके स्थान पर वैकल्पिक ईंधन या व्यवसायिक गैस सिलेंडर का ही उपयोग करें।

वैनगंगा उद्गम स्थल पर 3 करोड़ के निर्माण में गड़बड़ी के आरोप बिना सूचना पटल चल रहा काम

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले की जीवनदायिनी वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल पर पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 3 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से कराए जा रहे निर्माण कार्य में लापरवाही और अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए इसकी जांच कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर अब तक कोई सूचना पटल नहीं लगाया गया, जिससे यह पता नहीं चल पा रहा कि कार्य किस विभाग की देखरेख में हो रहा है, कितनी राशि स्वीकृत हुई है और किन-किन कार्यों का निर्माण किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार यह निर्माण कार्य पेटी ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा है। स्थानीय निवासी गोपालगंज ने बताया कि उन्होंने यह कार्य पेटी में लिया है, जबकि मुख्य ठेकेदार भोपाल के खान ठेकेदार बताए जा रहे हैं। निर्माण स्थल पर शौचालय, डिसेल्टर, बाउंड्री वॉल, कुंड की खुदाई, पेड़ों के चबूतरे, लगभग 15 प्लांटर तथा करीब 30 मीटर सीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ों के लिए बनाए गए चबूतरों में आज तक पानी की तराई नहीं की गई, जिससे निर्माण सामग्री हाथ लगाने पर ही झड़ने लगी है। वहीं उद्गम स्थल पर करीब 7 फीट गहरा कुंड खोदकर खुला छोड़ दिया गया है, जिसे अब तक ढका नहीं गया है। यहां रोजाना श्रद्धालुओं और बच्चों का आना-जाना रहता है, जिससे किसी भी समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य गेट से सीसी सड़क बनाने की बात कही गई थी, लेकिन सड़क को दूसरी जगह बना दिया गया। उस पर भी पानी की तराई नहीं होने से सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में पेटी ठेकेदार का कहना है कि स्थल पर पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण तराई नहीं हो पा रही है, वहीं कुंड भी फिलहाल खुला पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और निर्माण स्थल पर सूचना पटल लगाकर पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

भव्य बारात के साथ हुआ आयोजन, जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना: कुरई में 100 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जनपद पंचायत कुरई के खेल परिसर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 100 जोड़ों का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी प्रशांत उईके एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्जुन सिंह ठाकुर के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नगर में निकाली गई भव्य बारात रही। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली बारात में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक कमल मर्सकोले उपस्थित रहे। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डहेरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष मीना बिसेन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राकेश सनोडिया, जनपद अध्यक्ष लोचन मर्सकोले, जनपद उपाध्यक्ष हरदीप भाटिया तथा जिला पंचायत सदस्य तेजसिंह रघुवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन द्वारा भोजन, पेयजल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक एवं वधु-वर पक्ष के परिजन भी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में 1944 प्रकरणों का निराकरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेर्शानुसार 14 मार्च को जिला न्यायालय सिवनी सहित सिविल न्यायालय लखनादौन, केवलारी, घंसौर एवं छपारा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सतीश चंद्र राय के मार्गदर्शन में किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया गया। इसके बाद जिला न्यायालय परिसर में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार लोक अदालत में कुल 1944 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इसमें न्यायालयों में लंबित 428 मामलों में से 359 प्रकरणों का निपटारा किया गया, वहीं 10638 प्री-लिटिगेशन मामलों में से 1585 प्रकरणों का निराकरण हुआ।

मोटर दुर्घटना मामलों में 2.42 करोड़ का मुआवजा

लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा से जुड़े 32 प्रकरणों का निराकरण करते हुए पक्षकारों को 2 करोड़ 42 लाख 52 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति राशि दिलाई गई।

बिजली, बैंक और चेक बाउंस मामलों का भी निपटारा

विद्युत अधिनियम से जुड़े 62 लंबित मामलों के निराकरण से 10 लाख 18 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, वहीं 1027 प्री-लिटिगेशन बिजली मामलों के निपटारे से 69 लाख 36 हजार 683 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इसके अलावा 49 चेक बाउंस मामलों में लगभग 88 लाख 53 हजार रुपये की राशि का निपटारा हुआ। बैंक वसूली के 273 प्री-लिटिगेशन मामलों में बैंकों को 1 करोड़ 4 लाख 28 हजार 376 रुपये की राशि प्राप्त हुई। वहीं नगरीय निकायों के जलकर से जुड़े 267 प्रकरणों का भी निराकरण किया गया, जिससे करीब 10 लाख 83 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य, वैवाहिक, सिविल एवं अन्य मामलों का भी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

घर के आंगन में घुसा कबर बीज्जू, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी -सिवनी जिले के छपारा नगर में शुक्रवार रात एक घर के आंगन में कबर बीज्जू घुसने से हड़कंप मच गया। घटना खेरमाई मंदिर के पास रहने वाले प्रदीप के घर की है, जहां अचानक वन्य जीव दिखाई देने से परिवार और आसपास के लोग घबरा गए। बताया गया कि शुक्रवार रात घर के सदस्यों को आंगन में हलचल महसूस हुई। जब उन्होंने ध्यान से देखा तो सीढ़ियों के नीचे एक कबर बीज्जू बैठा हुआ मिला। वन्य जीव को देखते ही परिवार के सदस्य घबरा गए और सुरक्षित दूरी बनाते हुए घर से बाहर निकल आए। इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों और वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के कर्मचारी उदय उइके अपने साथियों के साथ कुछ ही देर में प्रदीप के घर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। टीम ने सबसे पहले लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी, ताकि रेस्क्यू कार्य में कोई बाधा न आए। वन विभाग की टीम ने सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद कबर बीज्जू को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया। इस दौरान मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हो गए थे, जिन्हें कर्मचारियों ने शोर न करने और दूरी बनाए रखने की समझाइश दी। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम ने कबर बीज्जू को सुरक्षित कंटेनर में रखा और नगर से दूर जंगल क्षेत्र में ले जाकर प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई वन्य जीव आबादी वाले क्षेत्र में दिखाई दे तो घबराएं नहीं और तुरंत विभाग को सूचना दें, ताकि वन्य जीव और लोगों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भूकंप आपदा प्रबंधन पर 16 से 20 मार्च तक विशेष प्रशिक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले में भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारी को मजबूत करने के उद्देश्य से 16 मार्च से 20 मार्च 2026 तक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के आदेशानुसार यह प्रशिक्षण जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल द्वारा संचालित ह्लमध्यप्रदेश में भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रमह्व परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का आयोजन 16 से 20 मार्च तक शाम 3 से 5 बजे तथा 5 से 6 बजे तक दो पालियों में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सिवनी में किया जाएगा।

खामी-उगली में दो दिवसीय ,जय चोखापाट बाबा किसान सम्मेलन व बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता आज से

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- केवलारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खामीझउगली में किसानों की आस्था, परंपरा और ग्रामीण संस्कृति से जुड़ा भव्य ह्लजय चोखापाट बाबा किसान सम्मेलन एवं पारंपरिक बैल जोड़ी पट प्रतियोगिताह्व का दो दिवसीय आयोजन 14 एवं 15 मार्च 2026 को किया जा रहा है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 15 मार्च को आयोजित होगा। इस अवसर पर देश के लोकप्रिय किसान नेता, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़कर क्षेत्र के किसानों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।

किसानों और ग्रामीण संस्कृति का महोत्सव- यह आयोजन किसानों के सम्मान, उनकी मेहनत और ग्रामीण परंपराओं को समर्पित है। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों किसान, ग्रामीणजन, युवा, जनप्रतिनिधि तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे। पारंपरिक बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता ग्रामीण जीवन और कृषि संस्कृति की जीवंत पहचान मानी जाती है, जिसमें किसान अपने बैलों की ताकत, प्रशिक्षण और समन्वय का प्रदर्शन करते हैं। दो बार भोपाल जाकर दिया गया था आमंत्रण- पट प्रतियोगिता समिति के सदस्य एवं पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन समिति के सदस्य दो बार भोपाल जाकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह कर चुके थे। उन्होंने कार्यक्रम में आने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन व्यस्त शासकीय दौरे के कारण उनका प्रत्यक्ष रूप से आना संभव नहीं हो पाया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किसानों से करेंगे संवाद- समिति द्वारा क्षेत्र के किसानों के लिए वीडियो संदेश जारी करने का निवेदन किए जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने और किसानों से संवाद करने की सहमति दी है। इस दौरान वे कृषि विकास, किसान कल्याण, प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीक तथा केंद्र सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं पर अपने विचार साझा करेंगे।

अधिक संख्या में शामिल होने की अपील- आयोजक समिति ने क्षेत्र के किसान भाइयों, युवाओं एवं नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाएं और केंद्रीय कृषि मंत्री के वर्चुअल संबोधन से लाभान्वित हों।

गर्मी से पहले पेयजल व्यवस्था पर मंथन: नगर पालिका अध्यक्ष ने बुलाई बैठक, अवैध मोटर जब्ती के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शहर में गर्मी के मौसम के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने 13 मार्च 2026 को नगर पालिका कार्यालय में पार्षदों और अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में शहर में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति बनाए रखने तथा संभावित समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि सिवनी नगर में पेयजल आपूर्ति भीमगढ़ जलाशय से की जाती है। वहीं एलएनटी कंपनी के माध्यम से आसपास के 216 ग्रामीण गांवों में भी पानी की सप्लाई की जा रही है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि भीषण गर्मी की शुरूआत के साथ ही भीमगढ़ डैम में अवैध मोटर पंपों के अधिक संचालन से जलस्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए बैठक में अवैध मोटर पंपों की जब्ती और चालानी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। साथ ही विद्युत आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए बिजली विभाग को पत्र लिखने के निर्देश भी दिए गए। नगर पालिका अध्यक्ष ने जलप्रदाय प्रभारी को निर्देश दिए कि खराब पड़े टैंकरों की मरम्मत कराई जाए और जरूरत वाले वार्डों में नए बोर करवाए जाएं। गर्मी के दौरान यदि किसी क्षेत्र में पेयजल समस्या आती है तो टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा गांधी भवन पंप को प्रतिदिन सुबह 7 बजे से चालू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में शहर के सार्वजनिक कुओं और अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कराने तथा गर्मी के दौरान सार्वजनिक प्याऊ शुरू कराने के निर्देश भी दिए गए। वहीं बबरिया तालाब के गहरीकरण का निर्णय भी लिया गया। बैठक में तय किया गया कि 14 मार्च को नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद और अधिकारी भीमगढ़ डैम पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करेंगे। बैठक की जानकारी मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री, आयुक्त, सांसद, विधायक और कलेक्टर को पत्र लिखकर भी दी गई है। बैठक में पार्षद रविशंकर गुड्डा भांगरे, गोविंदी रवि सैयाम, जीतू तरुण श्रीवास, अनुसुईया अनिल पटवा, साक्षी डागोरिया, चंदन खताबिया, राजेश राजू यादव, संजय भलावी, सीएमओ विशाल सिंह मस्कोले, सहायक यंत्री देवेश्वरी धुर्वे सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय आईटीआई सिवनी में 18 मार्च को जिला स्तरीय स्वरोजगार, अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से जिला स्तरीय स्वरोजगार, अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन 18 मार्च 2026 को किया जाएगा। यह मेला कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मेला युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत 18 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय आईटीआई सिवनी में आयोजित किया जाएगा। इसमें देश और प्रदेश की विभिन्न कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। मेले में ट्रेनी मशीन ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, बीमा एजेंट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, कॉल सेंटर ऑपरेटर सहित अन्य पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को ऋण वितरण प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी, जो कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई या स्नातक उत्तीर्ण हैं, वे अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन, अंकसूची तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ मेले में उपस्थित हो सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं सामूहिक विवाह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पहले बेटियों के जन्म से ही विवाह की सताती थी चिंता, अब सरकार कर रही बेटियों का कन्यादान

मुख्यमंत्री कन्या/विवाह योजना से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का बस रहा है घर

शुजालपुर में हुआ सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन

सम्मेलन में हुआ 162 बेटियों का विवाह और 38 बेटियों का निकाह

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति के मूल में सामाजिकता है, सद्भाव है और इस सद्भाव को बढ़ाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन एक बड़ा ही मजबूत और कारगर माध्यम है। बेटियों के पाणिग्रहण संस्कार से बड़ा पुण्य का, कोई दूसरा काम हो ही नहीं सकता। पहले बेटी के जन्म होने के साथ ही उसके परिवार को बेटी की शादी की चिंता सताती थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार बेटियों का कन्यादान और विदाई कर रही है। इस योजना से प्रदेश के गरीब-वंचित और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का घर बस रहा है। जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, मातृत्व और विवाह तक हमारी सरकार हर कदम पर बहनों-बेटियों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मितव्ययिता बेहद जरूरी है। इसलिए शादी-ब्याह में होने वाले फिजूलखर्चों से हमेशा बचें। अपने बेटे-बेटियों का विवाह/निकाह सामान्य समारोह या सामूहिक विवाह सम्मेलन में ही करें। इससे जो धन बचे, वह अपने बच्चों के बेहतर जीवन के लिए बचाकर रखें। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अपने पुत्र का विवाह भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में ही कराया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से शुजालपुर (जिला शाजापुर) में हुए सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों के सम्मान, इनके सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए सदैव ही प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवविवाहित जोड़ों को बधाई और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। सम्मेलन में 200 बेटियों का सामूहिक विवाह/निकाह सम्पन्न हुआ। इसमें 162 बेटियों का विधि-विधान से विवाह और 38 बेटियों का कबूलियत निकाह कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नवविवाहित जोड़े को मंगलाशीष के तौर पर सरकार की ओर से गृहस्थी के लिए 49-49 हजार रूपए दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन वर-वधु को जन्म-जन्मांतर तक साथ देने की अमरता की बेला का उत्सव है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन आगे और भी अधिक विशाल बनेगा तथा सभी जरूरतमंद परिवारों के लिए सबसे बड़े मददगार के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने विवाह सम्मेलन में कहा कि हमारी सरकार ने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं। सामाजिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। आज के दौर में विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची बढ़ रही है। यह समाज के हित में नहीं है। इसलिए सभी को अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह सामूहिक विवाह और ऐसे आयोजनों में ही कराने की ओर बढ़ना होगा। श्री परमार ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी का जीवन प्रेम, विश्वास, सम्मान और संस्कारों से परिपूर्ण रहे।

सर्व धर्म सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, जनपद पंचायत शुजालपुर की अध्यक्षा श्रीमती सीताबाई रामचन्दर पाटोदिया, उपाध्यक्ष श्रीमती मंजूबाई गोविन्दसिंह मेवाड़ा, नगर पालिकाध्यक्ष शुजालपुर श्रीमती बबीता परमार, श्री विजय सिंह बैस, श्री कृपाल सिंह मेवाड़ा, श्री अशोक नायक, श्री नरेन्द्र सिंह यादव, श्री देवेन्द्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं वर-वधु के परिजन उपस्थित थे।

जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देशों के अनुपालन में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि संबंधी आदेश जारी कर दिए गए हैं, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सशक्त एवं जनोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जूनियर डॉक्टर पूर्ण समर्पण से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में वे न केवल अपने चिकित्सा प्रशिक्षण को पूर्ण करते हैं। मरीजों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में भी जूनियर डॉक्टर अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जूनियर डॉक्टर के हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को सकारात्मक समाधान के निर्देश दिए थे। उसके अनुक्रम में विभाग द्वारा स्टाइपेंड वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 2.94 के आधार पर वृद्धि करते हुए 1 अप्रैल 2025 से संशोधित स्टाइपेंड लागू किया गया है। इसके तहत पीजी प्रथम वर्ष का स्टाइपेंड 75,444 रुपये से बढ़ाकर 77,662 रुपये, द्वितीय वर्ष का 77,764 रुपये से बढ़ाकर 80,050 रुपये तथा तृतीय वर्ष का 80,086 रुपये से बढ़ाकर 82,441 रुपये किया गया है। इसी प्रकार इंटर्न का स्टाइपेंड 13,928 रुपये से बढ़ाकर 14,337 रुपये किया गया है। सुपर स्पेशिलिटी पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के स्टाइपेंड को भी बढ़ाकर 82,441 रुपये निर्धारित किया गया है।

सीएम यादव और डिप्टी सीएम देवड़ा पहुंचे बैतूल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री के निधन पर जताई शोक संवेदना

बैतूल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री कृष्णा गौर शनिवार को बैतूल पहुंचे। उन्होंने गंज स्थित निवास पहुंचकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री सुरभि के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को हेलीकॉप्टर से बैतूल पहुंचे। उन्होंने गंज स्थित खंडेलवाल निवास जाकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वे सुरभि के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने आए हैं। उन्होंने कहा कि खंडेलवाल जी ने सुरभि की बहुत सेवा की। वह बाल्यकाल से ही कष्ट में थी, लेकिन परिवार के किसी सदस्य के बिछड़ने का दुख तो होता ही है। उन्होंने कहा कि इस शोक की घड़ी में वे परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और बाबा महाकाल से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करें।

सड़क मार्ग से बैतूल पहुंचे उपमुख्यमंत्री देवड़ा : इससे पहले प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री कृष्णा गौर भी बैतूल पहुंचे। उन्होंने खंडेलवाल निवास जाकर परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सड़क मार्ग से बैतूल पहुंचे थे। देवड़ा ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

खंडेलवाल निवास पर उमड़े प्रदेशभर के नेता : सुरभि खंडेलवाल के निधन के बाद से बैतूल में प्रदेशभर के नेताओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है। खंडेलवाल निवास पर शनिवार को भी प्रदेश सरकार के अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं और कार्यकताओं का लगातार आना-जाना लगा रहा। सभी ने दिवंगत सुरभि खंडेलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। सुरक्षा और हेलीपैड की व्यवस्थाएं स्थानीय प्रशासन द्वारा संभाली गईं।

गोमांस तस्करी केस में असलम कुरैशी की जमानत याचिका खारिज

भोपाल। भोपाल में गोमांस तस्करी के मामले में आरोपी असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को कोर्ट से राहत नहीं मिली। न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी जयदीप मौर्य ने शुक्रवार को अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कर दी। सुनवाई के दौरान आरोपी के अधिवक्ता ने कोर्ट से कहा कि असलम कुरैशी निर्दोष है और उसे जमानत दी जानी चाहिए। वहीं शासकीय अधिवक्ता ने मामले की गंभीरता का हवाला देते हुए जमानत आवेदन खारिज करने का अनुरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। मामले में पुलिस की एसआईटी ने जांच पूरी करने के बाद 6 मार्च को आरोपी असलम कुरैशी और उसके ड्राइवर शोएब के खिलाफ करीब 500 पेज का चालान न्यायालय में पेश किया था। दरअसल, 17 दिसंबर 2025 को हिंदू संगठनों के कार्यकताओं ने जहांगीराबाद के पास एक कंटेनर पकड़ा था। कंटेनर में करीब 26 टन मांस मुंबई भेजा जा रहा था। आरोप था कि स्लॉटर हाउस में गोवंश का अवैध कत्ल कर चोरी-छिपे मांस बाहर भेजा जा रहा था। पुलिस ने मांस के सैंपल लेकर जांच के लिए मथुरा फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजे थे। रिपोर्ट में गोमांस की पुष्टि होने के बाद 8 जनवरी को जहांगीराबाद थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद पुलिस ने स्लॉटर हाउस संचालक असलम कुरैशी और उसके ड्राइवर शोएब को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

दुर्घटना में मृत की अर्थी लेकर चक्काजाम

बीना। बीना के खुरई ओवरब्रिज पर देर रात एक सड़क दुर्घटना हुई। एक तेज रफ्तार कार ने टहल रहे दो लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में गुलाब चंद जैन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। इस घटना के विरोध में जैन समाज और परिजनों ने सर्वोदय चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। मृतक गुलाब चंद जैन की अर्थी लेकर प्रदर्शनकारी चौराहे पर पहुंचे और उसे रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इस चक्काजाम के कारण शहर का यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। समाज के दिनेश पुजारी ने बताया कि ओवरब्रिज पर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ नहीं है और भारी वाहनों के प्रवेश पर भी नियंत्रण नहीं है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से ओवरब्रिज पर सुरक्षा व्यवस्था सुधारने और भारी वाहनों के आवागमन पर नियंत्रण लगाने की मांग की।

बढ़ती गर्मी के बीच स्कूल सत्र टालने की मांग

कांग्रेस का दावा- फीस के लालच में बच्चों को बुला रहे निजी स्कूल; लू और गर्म हवाओं से बच्चों को खतरा

भोपाल। प्रदेश में बढ़ती गर्मी को देखते हुए अप्रैल से शुरू होने वाले नए स्कूल सत्र को स्थगित करने की मांग उठने लगी है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने सरकार से अपील की है कि भीषण गर्मी के दौरान छोटे बच्चों को स्कूल बुलाना उनके स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने इस संबंध में स्कूल शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव और स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र भेजकर स्थिति पर तत्काल फैसला लेने की मांग की है। उनका कहना है कि कई निजी स्कूल फीस के लालच में जल्द सत्र शुरू कर बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

मार्च से ही बढ़ने लगा तापमान : विवेक त्रिपाठी ने अपने पत्र में कहा है कि प्रदेश में मार्च की शुरूआत से ही तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले महीनों में अप्रैल और मई के दौरान लू और भीषण गर्म हवाओं का असर और अधिक बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में

छोटे बच्चों को स्कूल भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। खासकर प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए तेज गर्मी में स्कूल आना-जाना कठिन हो जाता है।

निजी स्कूलों पर लगाया फीस के लालच का आरोप : त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश में कई निजी स्कूल हर साल जल्दी नया शैक्षणिक सत्र शुरू कर देते हैं। कुछ स्कूल मार्च, अप्रैल और जून में ही छोटी कक्षाओं के बच्चों को स्कूल बुलाने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा मुख्य रूप से फीस वसूली के कारण किया जाता है। इससे मासूम बच्चों और उनके अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है और बच्चों के स्वास्थ्य के साथ भी गंभीर खिलवाड़ होता है।

कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी : त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश के कई शासकीय और निजी विद्यालयों में गर्मी से बचाव के लिए जरूरी सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। कई स्कूलों में शीतल पेयजल, पर्याप्त पंखे, कूलर और सही वेंटिलेशन की व्यवस्था नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में स्थिति और अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। ऐसे में भीषण गर्मी के दौरान बच्चों को स्कूल बुलाना खतरे से खाली नहीं है।

लू और डिहाइड्रेशन का खतरा : उन्होंने कहा कि तेज गर्मी के कारण बच्चों में डिहाइड्रेशन, लू लगना, चक्कर आना और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसी परिस्थितियों में सरकार को बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समय पर निर्णय लेना चाहिए। त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षा किसी भी प्रशासनिक प्रक्रिया से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द फैसला लेना चाहिए ताकि भीषण गर्मी में बच्चों को किसी तरह की परेशानी या खतरे का सामना न करना पड़े।

सरकार से की पांच प्रमुख मांगें

अप्रैल में शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र को गर्मी कम होने तक स्थगित किया जाए।

यदि सत्र शुरू करना जरूरी हो तो स्कूलों का समय सुबह जल्दी रखा जाए।

सभी स्कूलों में शीतल पेयजल, प्राथमिक उपचार और गर्मी से बचाव से जुड़े दिशा-निर्देश लागू किए जाएं।

जिला प्रशासन को इस मामले में विशेष निगरानी करनी चाहिए।

निजी स्कूलों द्वारा मनमानी करने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

चिकित्सकों के संवेदनशील व्यवहार से मरीजों की आधी तकलीफ हो जाती है दूर : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज शहडोल के ब्लड सेंटर का किया शुभारंभ

भोपाल। चिकित्सक धरती पर भगवान के स्वरूप होते हैं। चिकित्सक मरीजों को नया जीवन देने का कार्य करते हैं। मरीज अस्पताल में जीवन की नई उम्मीदों के साथ आते हैं। यदि स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करे तो अस्पताल आने वाले मरीजों की आधी तकलीफ स्वतः दूर हो जाती है और उन्हें जीवन जीने का संबल भी मिलता है। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय शहडोल में ब्लड सेंटर के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ब्लड सेंटर का शुभारंभ शहडोल संभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे संभाग के मरीजों को सरलता और सहजता से रक्त उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी बेहतर शिक्षा ग्रहण कर देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दें। विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता और सेवा

भावना का भी परिचय देना चाहिए। मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। पढ़ाई पूरी कर चिकित्सक बनने के बाद बाद पिछड़े एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों अपनी सेवाएं दें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में 19 शासकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 26 होने जा रही है। शहडोल मेडिकल कॉलेज में भी एमबीबीएस की सीटों को 100 से बढ़ाकर 200 करने तथा पीजी सीटों को 6 से बढ़ाकर 71 करने की प्रक्रिया अंतिम चरण पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सीएम केयर योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों को हृदय रोग, कैंसर तथा अंग प्रत्यारोपण की सुविधा देने जा रही है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह नई क्रांति होगी। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन निकालकर वॉक-इन इंटरव्यू शीघ्र आयोजित कर भर्ती प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा रक्तदान करने की सराहना करते हुए कहा कि यह संवेदनशीलता प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम में रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. गिरीश बी. रामटेके ने बताया कि टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक कुल 5587 मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि ब्लड सेंटर के ब्लड कंपोनेंट स्टोरेज रूम में 4 ब्लड बैंक रेफ्रिजरेटर तथा 2 डीप फ्रीजर की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही उन्होंने कोर्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, एमबीबीएस सीटों, ओपीडी संचालन सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विधायक जयसिंह नगर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा में गैस वितरण के दौरान पुलिस तैनात

गोदामों पर सुबह से लंबी कतारें, इंडियन कॉफी हाउस में चूल्हे पर बन रहा नाश्ता

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के गैस भंडार गृहों पर शनिवार सुबह एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें लग गईं। भीड़ और संभावित विवाद की स्थिति को देखते हुए पुलिस की मौजूदगी में गैस का वितरण कराया गया। प्रशासन पर्याप्त स्टॉक का दावा कर रहा है, लेकिन सिंगल कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को एक सप्ताह की वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से लगातार यह कहा जा रहा है कि जिले में एलपीजी गैस का पर्याप्त भंडारण मौजूद है। अधिकारियों के मुताबिक लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद सिंगल गैस कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, नियम के अनुसार 25 दिन पूरे होने के बाद ही ओटीपी जनरेट होता है। ओटीपी आने के बाद ही उपभोक्ता का नंबर आता है। ऐसे में नंबर लगने के बाद भी करीब एक सप्ताह की वेटिंग लग रही है, जिससे कई घरों में खाना बनाने का संकट खड़ा हो गया है।

इंडियन कॉफी हाउस में चूल्हे पर बन रहा नाश्ता : शहर के इंडियन कॉफी हाउस में भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कमी का सीधा असर दिखाई देने लगा है। गैस की सीमित उपलब्धता के चलते यहां चूल्हे पर नाश्ता तैयार किया जा रहा है। गैस की खपत कम करने के लिए एक साथ बड़ी संख्या में ऑर्डर तैयार किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य कम गैस का उपयोग कर सभी ग्राहकों को समय पर नाश्ता उपलब्ध कराना है।

भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने संभाला मोर्चा : शनिवार सुबह से ही गैस गोदामों पर सिलेंडर लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग लाइन में लग गए थे। भीड़ बढ़ने के कारण कुछ जगहों पर छुटपुट विवाद की स्थिति भी बन गई। इसे देखते हुए गैस गोदामों पर पुलिस को तैनात किया गया। पुलिस की निगरानी में ही गैस सिलेंडरों का वितरण कराया गया, ताकि व्यवस्था बनी रहे और झगड़े की स्थिति न बने।

काले झंडे दिखाने जा रहे करणी सैनिकों को पुलिस ने रोका, डॉ. मोहन यादव का पुतला जलाया

मुख्यमंत्री ने 243 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण- शिलान्यास

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को कटनी में विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही के दौरे पर रहे। मुख्यमंत्री ने यहां किसान सम्मेलन में 243.22 करोड़ की लागत वाले 97 किास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 180.37 करोड़ के 62 कार्यों का लोकार्पण और 62.85 करोड़ के 35 विकास कार्यों का शिलान्यास शामिल है। परियोजनाओं में मुख्य रूप से बिजली उपकेंद्र, सड़कें, स्कूल भवन, स्वास्थ्य केंद्र, पुल और 'जल जीवन मिशन' की योजनाएं शामिल हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बरही के बड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा, कांग्रेस ने 55 वर्षों तक शासन किया, लेकिन किसानों के हित में ठोस कदम नहीं उठाए। इसके विपरीत, हमारी सरकार महिलाओं, युवाओं और किसानों के कल्याण के लिए निरंतर समर्पित है। इससे पहले, दोपहर में करणी सेना और गोविंद सरकार मंडल ने अपनी-अपनी मांग को लेकर विरोध जताया। करणी सैनिकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मंदिर निर्माण को लेकर पुतला दहन

गोल बाजार में 'गोविंद सरकार मंडल' ने मंदिर निर्माण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। आरोप है कि प्रशासन ने छह माह पहले रावण दहन के दौरान गोल बाजार स्थित रामलीला मैदान के प्राचीन राम मंदिर को हटवा दिया था। मंडल के सदस्यों ने कहा कि पिछले 6 महीनों से मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन न तो भाजपा का कोई पदाधिकारी और न ही बजरंग दल के सदस्य सहयोग कर रहे हैं। प्रशासन से कई बार गुहार लगाने के बाद भी जब मांग अनसुनी कर दी गई, तो मजबूरन पुतला दहन का रास्ता चुनना पड़ा। संगठन ने चेतावनी दी है कि जल्द ही मंदिर का निर्माण नहीं कराया गया, तो आंदोलन और उग्र होगा।

तीसरी बार टला मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

कटनी में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन तीसरी बार टल गया। इसका मुख्य कारण 'पीपीपी मॉडल और उससे जुड़ी निर्माण एजेंसी को माना जा रहा है। कॉलेज का जिम्मा 'स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन' को दिया गया है। आरोप है कि संस्था की सहयोगी संस्था 'आरकेडीएफ' भोपाल में फर्जी मार्कशीट मामले में जांच के घेरे में है। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव दिव्यांशु मिश्रा 'अंशु' ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी है। तर्क है कि विवादित संस्था को कॉलेज सौंपना शिक्षा के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना है। विपक्ष की मांग है कि अनुबंध निरस्त कर शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाए। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर स्थानीय भाजपा विधायक संजय पाठक को भी घेरा है।

काले झंडे दिखाने जा रहे करणी सैनिकों को पुलिस ने रोका

करणी सेना की टीम यूजीसी (UGC) के नियमों के विरोध में मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने के लिए ग्राम बिलगवां से बरही तहसील की ओर कूच कर रही थी। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प भी हुई। करणी सेना के सदस्यों ने पुलिस द्वारा झंडे छीने जाने पर जमकर नारेबाजी की। ?प्रशासन ने करणी सेना के पदाधिकारियों को हाउस अरेस्ट (नजरबंद) कर लिया।

मौके पर पुलिस ने पहुंचकर दरवाजा तोड़कर निकाला मासूम बच्चों को

तीन मासूम बच्चों को पिता ने ही बनाया था बंधक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरसवाही एक अजीबो गरीब मामला प्रकाश में आया है जानकारी मुताबिक सरसवाही निवासी धर्मेंद्र आदिवासी उम्र लगभग 45 वर्ष जिसने अपने ही दो बच्चे और एक बच्ची को कमरे के अंदर तीन दिनों से बंधक बना के रखे हुए था मानवता को शर्म सार कर देने वाला ये मामला जहां एक पिता ने ही अपने मासूमों को बिना खाना पीना के अंदर बंद कर दिया इस पूरे मामले की सूचना डॉयल 112 में पुलिस को प्राप्त हुई डॉयल 112 मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही काफी भीड़ भाड़ का मौहौल निर्मित हो गया ग्राम पंचायत सरपंच एवं ग्राम कोटवार उपस्थिति में धर्मेंद्र आदिवासी से पुलिस ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया बहुत प्रयास के बाद भी जब दरवाजा नहीं खोला गया तो पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और तीनों मासूमों को सुरक्षित घर से बाहर निकाला गया इस पूरे मामले को लेकर थाना प्रभारी सुदेश समन ने बताया कि पिता के द्वारा मासूमों को बंधक बनाने की सूचना डॉयल 112 में मिली थी सूचना के बाद निरीक्षक संतोष बड़गैंया पुलिस कांस्टेबल रोहित पाटकर सैनिक राजकुमार परोहा पायलट विजय पांडे रवाना हुए थे मासूमों को बंधक मुक्त कराया गया है उक्त मामले में कोई भी फिलहाल कोई भी कार्यवाही सुनिश्चित नहीं की गई है क्योंकि मामले में किसी भी प्रकार की कोई भी शिकायत थाना में प्राप्त नहीं हुई है यदि आगे मामले से जुड़ी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

बरही कृषि महोत्सव में महिला शक्ति का सम्मान

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया विजयराघवगढ़-कैमोर की नगर परिषद अध्यक्षों का अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा—विकास की राह में बाधा डालने वालों को जनता देगी जवाब

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। बरही में आयोजित भव्य कृषि महोत्सव एक एतिहासिक आयोजन के रूप मे नजर आया जहा सवा लाख से अधिक किसानो व छेत्री भाई बहनो की उपस्थिति रही कार्यक्रम में महिला शक्ति को विशेष सम्मान मिला। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विजयराघवगढ़ और कैमोर नगर परिषद की महिला अध्यक्षों को मंच से सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में किसान जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य आयोजक संजय सत्येंद्र पाठक ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की चर्चा की और कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में लगातार विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में किए जा रहे जनहितकारी कार्यों की जमकर प्रशंसा की। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंच से लगभग एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। वहीं विजयराघवगढ़ क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने भी क्षेत्र हित में हजारों करोड़ रुपये की नई सौगातों का प्रस्ताव रखा जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति जताते हुए जल्द कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक प्रदेश के विकास को रोके रखा लेकिन अब प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अब विकास चाहती है और विकास की राजनीति को ही समर्थन दे रही है।कार्यक्रम के दौरान महिला प्रतिनिधियों का सम्मान किसानों के हित में योजनाओं की घोषणा और विकास कार्यों की सौगात ने पूरे आयोजन को भावनात्मक और ऐतिहासिक बना दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय विधायक का जोरदार स्वागत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

पंचायत चलो अभियान' के तहत परसिया में युवा कांग्रेस की बैठक

रेवांचल टाइम्स त्योंथर। जिले के त्यौंथर विधानसभा के ग्राम पंचायत परसिया में 'पंचायत चलो अभियान' के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष जशवंत सिंह कछवाह के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसका आयोजन पंचायत अध्यक्ष छोटानी सिंह द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जशवंत सिंह कछवाह ने कहा कि 'पंचायत चलो अभियान' का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना, ग्रामीण स्तर पर युवाओं को संगठित करना और शासन की जनहितकारी योजनाओं को सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनें और उनके निराकरण के लिए सक्रिय रहें। पंचायत अध्यक्ष छोटानी सिंह ने अभियान की सफलता पर जोर देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत परसिया के विकास और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह एक प्रभावी कदम है। बैठक में आगामी पंचायत चुनावों की रणनीति और संगठन के विस्तार पर भी गहन चर्चा की गई। इस अवसर पर कुलदीप पाठक, अनुरेश पाल अध्यक्ष चुनरी, चंद्रमणि मांझी अध्यक्ष पनासी, आदित्य सिंह लवी, अंश पटेल, सत्यम पटेल, सचिन सिंह, सूरज सिंह, संवेंद्र सिंह, संदीप सिंह, समयलाल, शंकर कहार, गुलाब प्रसाद, लक्ष्मण कोल, वंशीलाल, प्रकाश सिंह, विपिन, अमन वर्मा, गगन, सुधीर सिंह, चंद्रपाल, सूरज कहार, सचिन सिंह, सत्यम, अंश एवं अनेक युवा कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल सहित अनेक श्रद्धालु रहे उपस्थित

गन्नेशन गणेश धाम बराव में श्रीराम कथा

महायज्ञ का 6वें दिन भव्य आयोजन

मऊगंज। मऊगंज जिला अंतर्गत गन्नेशन गणेश धाम (बरॉव) में वरिष्ठ संविदाकर विजय कुमार मिश्रा के श्रेष्ठ सुपुत्र समाजसेवी इंजीनियर विनीत मिश्रा के द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन कराया जा रहा है जिसमे कलश यात्रा दिनांक 8 मार्च को सैकड़ो वाहन एवं रथ की रैली के साथ हजारों की संख्या में भक्तों का जनसैलाब उमड़ा था इसके बाद लगातार श्रीराम कथा में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रोता पहुचकर श्रीराम कथा का श्रवण कर रहे है। 6वे दिवस भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत वातावरण के साथ श्रीराम कथा का आयोजन हुआ। कथा व्यास स्वामी दशरथ महाराज ने भगवान श्रीराम और उनके भाइयों के नामकरण का पावन प्रसंग सुनाते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम का नाम केवल एक नाम नहीं बल्कि समस्त मानवता के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न चारों भाइयों के नामों में गहरा आध्यात्मिक अर्थ छिपा हुआ है और ये नाम मानव जीवन को मयार्दा, सेवा, त्याग और धर्म का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य अपने जीवन में राम के आदर्शों को अपनाता है तो उसका जीवन भी सफल हो जाता है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कथा स्थल पर पहुंचकर भगवान श्रीराम की कथा का श्रवण किया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। श्रीराम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम भी है। श्री शुक्ल ने कहा कि समाजसेवी विनीत मिश्रा द्वारा आयोजित यह कथा कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। जो भटक कर गलत रास्ते मे जा रहे है युवाओं की भारतीय संस्कृति, परंपरा और धर्म से जोड़ने की आवश्यकता है इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्रीराम कथा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। जहा पर भारी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। यह धार्मिक आयोजन वरिष्ठ संविदाकर अरविंद मिश्रा के मार्गदर्शन में एवं आयोजक-श्री हनुमान जी महाराज पावन सानिध्य श्री गणेश जी महाराज एवं समस्त ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासियो के सहयोग से हो रहा है। इंजीनियर विनीत मिश्रा ने बताया कि मेरा और मेरे माता पिता का गणेश धाम से 25-30 साल से जुड़ाव है हर बर्ष कुछ न कुछ कार्यक्रम करते रहते है। इसी तारतम्ब में यह आयोजनं 8 मार्च 17 मार्च तक किया गया और 17 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए उन्होंने रीवा जिले एवं मऊगंज जिले के लोगो से निवेदन किये है कि विशाल भंडारे में सभी लोग पहुचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करे। उन्होंने कहा कि कथा में युवाओं की संख्या कम है युवा आये और श्रीराम कथा सुने ताकि जो इधर उधर नशा की तरफ भटक रहे है नही भटकेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, रीवा भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, नरेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विपिन मिश्रा, रामहर्षण मण्डल के राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती मानवती मिश्रा, ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री श्रीमती प्रतिमा मिश्रा, डां रविशंकर त्रिपाठी सतना, भाजपा युवा नेता जवा शिवशंकर तिवारी, शानू द्विवेदी, शैलेंद्र सिंह, रवींद्रनाथ पाण्डेय, जयलाल पटेल ओम प्रकाश तिवारी, संगमलाल पटेल, राम उजागर पटेल, कृष्णगोपाल तिवारी, मनीष गिरी, शतानंद गिरी, विनोद शुक्ल, रामायण प्यासी, बिंदेश्वरी गिरी, छोटे केवट, राजेश कुमार त्रिपाठी, परमानंद पाण्डेय, रामचरित पटेल, चंचल गिरी, अमरीश त्रिपाठी, बैजनाथ तिवारी, सौरव द्विवेदी जी, सहित सैकड़ो भक्तजन उपस्थिति रहे।

विंध्य पूर्व सैनिक कल्याण संगठन रीवा द्वारा कराया गया इफ्तार पार्टी

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। विंध्य पूर्व सैनिक कल्याण संगठन रीवा द्वारा अलविदा जुमा के अवसर इफ्तार पार्टी का आयोजन से साई जी मैरिज गार्डेन में किया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों को संगठन की ओर से स्नेहपूर्वक इफ्तार पार्टी दी गई। जिसे संगठन के सभी सदस्यों ने मुस्लिम भाइयों एवं उनके परिवारजनों का गर्मजोशी से स्वागत किया। संगठन का आपसी भाईचारा, सम्मान और शिष्टाचार देखकर सभी मुस्लिम समाज के अतिथि बहुत प्रसन्न और भाव-विभोर हुए। संगठन के अध्यक्ष ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द को और मजबूत करना है।

घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई, 10 सिलेंडर जब्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, डिण्डौरी। कलेक्टर महोदया के निदेशानुसार खाद्य विभाग द्वारा जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ कार्रवाई की गई। शनिवार 14 मार्च 2026 को सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम खान तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश तुरकर ने संयुक्त रूप से विभिन्न होटलों और भोजनालयों में जांच की। जांच के दौरान माँ रेवा होटल, पुरानी डिंडोरी तिराहा से 5 घरेलू उपयोग के एलपीजी सिलेंडर, नकुल होटल से 3 घरेलू एलपीजी सिलेंडर तथा मोले भोजनालय, बस स्टैंड डिंडोरी से 2 घरेलू एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए। इस प्रकार जिले के तीन प्रतिष्ठानों से कुल 10 घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर ही सभी 10 सिलेंडरों को जब्त कर डिंडोरी इंडेन गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दे दिया। साथ ही द्रविकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण) विनियम आदेश 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण तैयार किया गया है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में आगे भी लगातार जांच एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

युवती हत्या मामले में संदिग्ध युवक की पेड़ पर लटकी मिली लाश, दोनों हाथ बंधे होने से हत्या की आशंका

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में युवती की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। रानीताल स्थित भाजपा कार्यालय के पास झाड़ियों में युवती की लाश मिलने के मामले में संदिग्ध युवक की लाश भी अब पेड़ पर फंदे से लटकी मिली है। युवक का शव माढ़ोताल तालाब के किनारे लगे पेड़ पर सुबह देखा गया, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि युवक के दोनों हाथ बंधे हुए थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि किसी ने युवक की हत्या करने के बाद शव को पेड़ पर फंदे से लटका दिया हो। सुबह-सुबह तालाब की मेड़ के पास पेड़ पर लाश लटकी देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर माढ़ोताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह आत्महत्या है या हत्या कर शव को फंदे से लटकाया गया है। फिलहाल आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल के आसपास से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान अंकित बर्मन निवासी मंजू पथ, दीक्षितपुरा, लार्डगंज थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। अंकित करीब पांच दिन पहले रांझी क्षेत्र में हुई एक युवती की हत्या के मामले में संदिग्ध माना जा रहा था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। इसी बीच उसकी लाश इस तरह पेड़ पर लटकी मिलने से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार ने मृतक अंकित के परिजनों से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई है। पुलिस अंकित के मोबाइल फोन की जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। प्राथमिक पूछताछ में पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि अंकित कुछ समय से अपने घर नहीं गया था। अंकित के साथ रहने वाले एक युवक को भी पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

75 दिनों में अपराधों का ग्राफ बढ़ा, हत्या-लूट-नशे के मामलों ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में पिछले 75 दिनों के दौरान अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। इस अवधि में ऐसा कोई बड़ा अपराध नहीं बचा, जिसे बदमाशों ने अंजाम न दिया हो। लूट, हत्या, दुष्कर्म, चोरी और जालसाजी जैसे छोटे-बड़े लगभग सभी तरह के अपराधों में तेजी दर्ज की गई है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में जनवरी से लेकर 10 मार्च तक दर्ज मामलों में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगातार बढ़ते अपराधों के बाद अब पुलिस अधिकारी इन पर अंकुश लगाने की बात कर रहे हैं।

कई सालों के रिकॉर्ड टूटे

सिर्फ 75 दिनों में जिले में दर्ज अपराधों ने पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जिस तेजी से बदमाश शहर में वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, उसके मुकाबले कई मामलों में खुलासा या आरोपियों की गिरफ्तारी उतनी तेजी से नहीं हो पा रही है। मार्च के मौजूदा पखवाड़े में ही लूट, हत्या, हत्या के प्रयास और संदिग्ध मौतों की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। हालांकि पुलिस ने अधिकांश मामलों में जांच करते हुए आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है। इधर जिले में दर्दनाक सड़क हादसों की संख्या भी बढ़ी है। बीते दिनों हुए हादसों में एक दर्जन से अधिक लोगों की असमय मौत हो चुकी है, जिससे आम लोगों में चिंता का माहौल है।

जेल से छूटे अपराधियों पर नहीं निगरानी

अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण जेल से जमानत पर छूटे अपराधियों पर पर्याप्त निगरानी न होना भी माना जा रहा है। पुलिस अधिकारी खुलकर तो कुछ नहीं कहते, लेकिन आंतरिक बैठकों में इस मुद्दे का जिक्र किया जा रहा है। हाल के दिनों में हुई कुछ वारदातों में जेल से छूटे अपराधियों की संलिप्तता भी सामने आई है।

पुलिस की सुस्ती का उठा रहे फायदा

कई मामलों में यह भी देखा गया है कि पुलिस की सुस्ती का फायदा उठाकर बदमाश लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अपराधियों के हौसले बढ़ने से शहर में असुरक्षा की भावना भी बढ़ रही है।

नशे का कारोबार भी चरम पर

जिले में नशीले पदार्थों का कारोबार भी तेजी से फैल रहा है। अवैध शराब, नशीले इंजेक्शन, स्मैक और गांजा की बिक्री कई क्षेत्रों में खुलेआम हो रही है। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद यह धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। अधिकारियों का मानना है कि नशे के इस अवैध कारोबार का संबंध कई अन्य आपराधिक गतिविधियों से भी जुड़ा हुआ है, जिस पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है।

खेत में काम करते समय करंट लगने से युवक की मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। खेत में सिंचाई लाइन बदलते समय करंट लगने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर खितौला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम मरहा भटादौन निवासी प्रहलाद केवट अपने खेत में सिंचाई के लिए पाइप लाइन बदलने का काम कर रहे थे। इसी दौरान पाइपलाइन के पास बिजली का करंट फैल गया और वह उसकी चपेट में आ गए। करंट लगने से प्रहलाद केवट गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में खेत में काम करते समय करंट लगने से मौत होने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गैस सिलेंडर संकट: घरों से होटलों तक असर, एजेंसियों पर लंबी लाइनें

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध जैसे हालातों का असर अब आम लोगों की रसोई तक पहुंचने लगा है। शहर में गैस सिलेंडर की किल्लत के कारण घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर होटलों और केटरिंग व्यवसाय तक सभी प्रभावित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि लोग सुबह से ही गैस एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लग रहे हैं, जबकि कई जगहों पर कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडर की कमी का सबसे ज्यादा असर होटल और केटरिंग व्यवसाय पर पड़ रहा है। कई होटलों के किचन में अब वैकल्पिक साधनों से खाना बनाया जा रहा है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति नहीं होने के कारण केटरर्स को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर ऑर्डर तक रद्द करने की नौबत आ गई है।

जमाखोरों पर प्रशासन की नजर

स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार बैठकें कर समस्या के समाधान का प्रयास कर रहा है। साथ ही गैस सिलेंडरों की जमाखोरी रोकने के लिए भी सघन अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू गैस की बुकिंग भी प्रभावित

घरेलू गैस की होम डिलीवरी के लिए जारी बुकिंग नंबर भी कई जगह काम नहीं कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को और परेशानी हो रही है। लोग बार-बार फोन लगाने के बाद भी बुकिंग नहीं करा पा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि होटल संचालक फिलहाल डीजल से चलने वाली भट्ठी, बिजली से चलने वाले इंडक्शन कुकर या लकड़ी के चूल्हों का उपयोग करें। हालांकि प्रशासन का यह भी कहना है कि घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन गैस संकट की खबरों के कारण लोग घबराकर एजेंसियों पर पहुंच रहे हैं, जिससे लाइनें बढ़ रही हैं। शुक्रवार और शनिवार सुबह से ही गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी गईं। कई लोग सिलेंडर लेकर एजेंसी पहुंचे, लेकिन गैस नहीं मिलने से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। जिन लोगों की बुकिंग हो चुकी है और ओटीपी भी मिल चुका है, उन्हें भी सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी पर लाइन में लगना पड़ रहा है।

कई दिनों से परेशान उपभोक्ता

उपभोक्ता रवि पांडे का कहना है कि वह पिछले पांच दिनों से गैस के लिए परेशान हैं। ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। दिन में नौकरी और कामकाज भी रहता है, ऐसे में बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिर कब तक इंडक्शन पर खाना बनाकर काम चलाया जाए। एक अन्य उपभोक्ता सुशील के अनुसार वह छह दिनों से ऑनलाइन बुकिंग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बुकिंग ही नहीं हो पा रही है।

शादी-समारोह के ऑर्डर पर संकट

केटरिंग व्यवसाय से जुड़े दिनेश केसरीवानी ने बताया कि उनके पास कई शादी समारोहों के ऑर्डर हैं, लेकिन गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उन्हें चिंता हो रही है कि इन ऑर्डरों को कैसे पूरा किया जाएगा। यदि जल्द गैस की व्यवस्था नहीं हुई तो उन्हें ऑर्डर रद्द करने या अन्य विकल्प तलाशने पड़ सकते हैं।

बिजली बिल अपडेट के नाम पर भेजा लिंक, आईटीबीपी जवान के खाते से ठगों ने उड़ाए पैसे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोराबाजार थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जहां बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर भेजे गए लिंक पर क्लिक करते ही आईटीबीपी के एक जवान के बैंक खाते से पैसे निकाल लिए गए। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विनायक नगर निवासी सरिता देवी ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनके पति नरेंद्र कुमार आईटीबीपी की 35वीं बटालियन में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं और वर्तमान में उत्तराखंड में तैनात हैं। बताया गया है कि नरेंद्र कुमार उपचार के लिए नोएडा स्थित आईटीबीपी बेस अस्पताल में भर्ती थे। इसी दौरान उनके मोबाइल फोन पर ठगों ने कॉल कर उन्हें बातों में उलझाया और बिजली बिल अपडेट करने की बात कहकर एक लिंक भेज दिया। नरेंद्र कुमार ने जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल फोन पूरी तरह से फ्रीज हो गया और कुछ समय तक काम करना बंद कर दिया। कुछ घंटों बाद जब मोबाइल सामान्य हुआ तो उनके होश उड़ गए। मोबाइल पर बैंक खाते से पैसे कटने के लगातार संदेश आने लगे। घटना की जानकारी मिलने पर सरिता देवी ने गोराबाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बस स्टैंड में खड़े कबाड़ वाहनों में लगी आग, एक व्यक्ति जिंदा जला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के सिहोरा बस स्टैंड परिसर में खड़े कबाड़ वाहनों में अचानक आग लगने से एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के दल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने जब आग बुझाई तो देखा कि एक व्यक्ति आग की चपेट में आकर बुरी तरह जल चुका है। उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक क्षेत्र में कचरा बीनकर जीवन यापन करता था और संभवतः वहीं आसपास मौजूद था, तभी आग की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

होली के दौरान पुलिस की सख्ती कम, जिला बदर और निगरानीशुदा बदमाश फिर शहर में सक्रिय

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। होली के दौरान पुलिस की सघन चेकिंग और लगातार निगरानी के बावजूद जिला बदर, तड़ीपार और निगरानीशुदा बदमाशों के शहर में दोबारा प्रवेश करने की खबरें सामने आ रही हैं। पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज कई आरोपी चोरी-छिपे शहर में आकर अलग-अलग इलाकों में रह रहे हैं। बदमाशों के बीच यह चर्चा भी है कि इन दिनों पुलिस की रूटीन चेकिंग पहले की तुलना में कम हो गई है, जिसका फायदा उठाकर जिला बदर और तड़ीपार आरोपी फिर से जिले में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जिला बदर की निर्धारित अवधि के बावजूद कई आरोपी अपने मूल निवास को छोड़कर रिश्तेदारों या किराए के कमरों में रह रहे हैं। संबंधित थानों की पुलिस कभी-कभी इन आरोपियों के घरों पर रूटीन जांच के लिए पहुंचती है, लेकिन वहां वे नहीं मिलते। ऐसे में बदमाश दूसरे मोहल्लों या क्षेत्रों में आराम से समय काट रहे हैं और पुलिस को इसकी भनक भी नहीं लग पाती। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई मामलों में क्षेत्र के लोग इन आरोपियों को पहचानते तक नहीं हैं, इसलिए उनकी सूचना भी पुलिस तक नहीं पहुंचती। इससे कानून व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ रही है। पुलिस आमतौर पर चिन्हित और कुख्यात अपराधियों पर नजर बनाए रखती है ताकि वे किसी वारदात को अंजाम न दे सकें। त्योहारों से पहले रात में गश्त और कंबिंग गश्त के दौरान निगरानीशुदा तथा जिला बदर बदमाशों के घरों या ठिकानों पर दबिश भी दी जाती है। लेकिन बदमाश पुलिस की नजर से बचने के लिए अपने पुराने घरों को छोड़कर शहर के अन्य हिस्सों में किराए के मकानों में रहने लगे हैं। पुलिस की कार्रवाई के दौरान रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया जाता है कि आरोपी के व्यवहार और गतिविधियों से सार्वजनिक शांति भंग होने का खतरा बना रहता है, इसलिए उसके खिलाफ तत्काल जिला बदर की कार्रवाई की जाती है। किसी बड़े आयोजन या त्योहार से पहले पुलिस अचानक सख्ती बढ़ा देती है। आदतन अपराधी या लगातार अपराध में शामिल रहने वाले व्यक्तियों को एक निश्चित अवधि के लिए जिले से बाहर रहने का आदेश दिया जाता है। यह अवधि सामान्यतः एक महीने से चार महीने तक की होती है। जिला बदर आदेश का मतलब यह होता है कि संबंधित व्यक्ति को तय समय तक उस जिले की सीमा में रहने की अनुमति नहीं होती। यदि वह आदेश का उल्लंघन करते हुए जिले में पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर उसे जेल भेजा जा सकता है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

मनरी औद्योगिक क्षेत्र की टायर फैक्ट्री में भीषण आग, दमकल की कई गाड़ियों ने पाया काबू

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मनरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को एक टायर फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उसे बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को मौके पर बुलाना पड़ा। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।घटना की सूचना मिलते ही मंडला जिले से भी फायर ब्रिगेड की टीम बुलाई गई। इसके अलावा जबलपुर जिले के नगर बरेला क्षेत्र से भी दमकल वाहन मौके पर पहुंचाए गए। दमकल कर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के रीजनल डायरेक्टर अनिल राठौर ने बताया कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। जिस टायर फैक्ट्री में आग लगी थी, वह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के डिपो से करीब 700 मीटर की दूरी पर स्थित है। घटना की जानकारी मिलते ही मंडला जिला प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया और स्थिति को संभालने के लिए तत्काल कदम उठाए गए। वहीं आग की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर प्रशासन से भी अतिरिक्त दमकल वाहनों की व्यवस्था कराई गई। ऑयल डिपो नजदीक होने के कारण आग के फैलने का खतरा अधिक था, लेकिन समय रहते सभी विभागों की सतर्कता और संयुक्त प्रयासों से आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592